मार्गशीर्ष शुक्ल - 10 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 147 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 22-12-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 फिजूल टिप्पणी न करें, भविष्य में ना जाने कब, किसे, किसकी जरूरत पड़ जाए

6 भगवत गीता केवल ग्रंथ या शास्त्र ही नहीं, बल्कि जीवन दर्शन

7 'डीपफेक' लोकतंत्र के लिए नया खतरा : सुशील मोदी

फर्स्ट टेक

तीन और सांसद निलंबित, निलंबित सदस्यों की कुल संख्या 146 हुई

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में तख्तियां दिखाने और सदन की अवमानना करने को लेकर बृहस्पतिवार को कांग्रेस के तीन सदस्यों- दीपक बैज, डीके सुरेश और नकुल नाथ को संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। इसके साथ ही लोकसभा के निलंबित विपक्षी सदस्यों की संख्या 100 हो गई और दोनों सदनों को मिलाकर यह आंकड़ा 146 पर पहुंच गया। निचले सदन से निलंबित कुल 100 सदस्यों में से 97 को मौजूदा शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया गया है, जबकि तीन सांसदों का निलंबन विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक जारी रहेगा। निचले सदन में गत सप्ताह बृहस्पतिवार को 13 सदस्य, इस सप्ताह सोमवार को 33, मंगलवार को 49 और बुधवार को दो विपक्षी सदस्यों को निलंबित कर दिया गया था।

भारत में कोविड के 594 नए मामले

नई दिल्ली/भाषा। भारत में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 594 नए मामले दर्ज किए गए जिससे उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 2,669 हो गई जो इससे एक दिन पहले 2,331 थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुरुवार को सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 के कुल मामलों की संख्या 4.50 करोड़ (4,50,06,572) हो गई। वहीं छह मरीजों की मौत के बाद मृतकों की संख्या 5,33,327 हो गई जिसमें केरल में तीन, कर्नाटक में दो और पंजाब में एक मरीज की जान चली गई। आंकड़ों के अनुसार, इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,44,70,576 हो गई है और स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत है। संक्रमण से जान गंवाने की दर 1.19 फीसदी है।

पापुआ न्यू गिनी में ज्वालामुखी में विस्फोट

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने पापुआ न्यू गिनी में ज्वालामुखी में हुए विस्फोट से प्रभावित लोगों के लिए बृहस्पतिवार को 10 लाख डॉलर मूल्य की राहत सामग्री भेजी। पापुआ न्यू गिनी में माउंट उलावुन में एक ज्वालामुखी में हुए विस्फोट से देश को बड़ा नुकसान हुआ है। इससे प्रभावित इलाके से 26,000 से अधिक लोगों को निकाला गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने 'एक्स' पर कहा,''पापुआ न्यू गिनी में हुए ज्वालामुखी विस्फोट से प्रभावित लोगों के लिए भारत द्वारा घोषित 10 लाख डॉलर की राहत सहायता के अनुसरण में एक विशेष विमान राहत सामग्री लेकर पोर्ट मोरेस्बी के लिए रवाना हुआ।

22-12-2023 सूर्यास्त 5:46 बजे	23-12-2023 सूर्योदय 6:25 बजे

BSE	NSE
70,865.10 (+358.79)	21,255.05 (+104.90)

सोना	चांदी
6,494 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	80,700 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कोरोना आहट

वायरस की है फिर से आहट
सारी दुनिया हों सावधान।
कोरोना ने दे दी दस्तक,
करने लग जाओ प्रावधान।
हरगिज़ मत भूलो बीता कल,
पहचानो सारे फिर निशान,
संभलो सतर्क हो जाओ सब,
वर्ना होओगे परेशान।।

भारत में लोकतंत्र के भविष्य पर आशंका जताने वाले, हकीकत से दूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

"हमारे आलोचकों के अपने कोई विचार हो सकते हैं और उन्हें अपने विचार रखने की पूरी आजादी भी है, लेकिन आलोचना के रूप में अक्सर आरोप लगाए जाते हैं और ऐसे आरोपों के संबंध में कुछ बुनियादी प्रश्न भी हैं। मोदी ने कहा, उनकी (आलोचकों की) इस तरह की बातें न केवल भारत की जनता की सूझ-बूझ का अपमान हैं बल्कि वे देश की विविधता और लोकतंत्र के प्रति भारत के लोगों की गहरी प्रतिबद्धता की भी अनदेखी करते हैं।

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिटेन के एक अखबार के साथ बातचीत में कहा है कि उनके नेतृत्व में भारत में संविधान बदलाव तथा देश में लोकतंत्र के भविष्य को लेकर आशांकाएं प्रकट करने वाले उनके आलोचक देश की जमीनी हकीकत से कटे हुए हैं और उनके द्वारा फैलायी जा रही इस तरह की बातें निरर्थक हैं ।

मोदी ने ब्रिटेन के अखबार फाइनेंशियल टाइम्स के साथ बातचीत में कहा, संविधान में बदलाव की किसी भी बात का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने भारत में लोकतंत्र के लिए खतरे को लेकर उनकी पार्टी और सरकार की आलोचनाओं के बारे में एक सवाल पर कहा, हमारे आलोचकों के अपने कोई विचार हो सकते हैं और उन्हें अपने विचार रखने की पूरी आजादी भी है, लेकिन आलोचना के रूप में अक्सर आरोप लगाए जाते हैं और ऐसे आरोपों के संबंध में कुछ बुनियादी प्रश्न भी हैं।

मोदी ने कहा, उनकी (आलोचकों की) इस तरह की बातें न केवल भारत की जनता की सूझ-बूझ का अपमान हैं बल्कि वे देश की विविधता और लोकतंत्र के प्रति भारत के लोगों की गहरी प्रतिबद्धता की भी अनदेखी करते हैं। उन्होंने फाइनेंशियल टाइम्स के साथ दिल्ली में अपने निवास पर हुई इस भेंटवार्ता में भारत में लोकतंत्र की स्थिति के अलावा, अल्पसंख्यकों की दशा तथा कनाडा और अमेरिका में कुछ व्यक्तियों की हत्या या हत्या की योजना में भारतीय एजेंसियों के हाथ होने के आरोपों के बारे में पूछे गए सवालों का उत्तर दिया। उन्होंने रोजगार और अर्थव्यवस्था की स्थिति पर भी बात की।

संविधान बदलने की आशंकाओं के बारे में एक सवाल पर उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने हर काम 'सबसे पारदर्शी ढंग' के साथ किए हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (यूपीआई/आधार आदि) जैसे बुनियादी बदलाव संविधान बदलकर नहीं बल्कि लोगों की भागीदारी के साथ किए गए हैं।

भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यकों के भविष्य के बारे में पूछे गए एक सवाल पर मोदी ने भारत के पारसी समुदाय की प्रगति का उल्लेख किया जो भारत में रह रहा 'एक सूक्ष्म अल्पसंख्यक समुदाय है।' मोदी ने कहा , 'दुनिया में दूसरी जगहों पर दमन उत्पीड़न झेलने के बाद उन्हें भारत में सुक्षित जगज मिली जहां वे खुशी से जी रहे हैं और प्रगति कर रहे हैं।' प्रधानमंत्री ने मुस्लिम समुदाय का नाम लिए बगैर कहा , यह दर्शाता है कि भारतीय समाज धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति कोई भेदभाव नहीं करता है।

पुंछ आतंकवादी हमले में

सेना के तीन जवान शहीद, तीन घायल

जम्मू/वार्ता। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकवादी हमले में सेना के तीन जवान शहीद हो गये जबकि तीन और जवान घायल हैं।

जम्मू में सेना के प्रवक्ता ने बताया कि सेना ने ठोस खुफिया जानकारी के आधार पर कल रात आतंकवादियों के गुट के खिलाफ सेना और जम्मू पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाया गया था। आतंकवादियों से सेना का आज शाम को फिर से आमना सामना हुआ। उन्होंने कहा कि करीब पौने चार बजे सेना के दो वाहन जब सैनिकों को लेकर अभियान स्थल की ओर जा रहे थे, तभी आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि सैनिकों ने आतंकवादी हमले पर तुरंत जवाबी कार्रवाई की।

सरकार एकल उपयोग प्लास्टिक को रोकने के लिए प्रतिबद्ध : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एकल उपयोग प्लास्टिक को रोकने के लिए प्रतिबद्धता जताते हुए सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि जलवायु परिवर्तन की विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए उसकी ओर से एक कार्ययोजना तैयार की गई है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एकल उपयोग प्लास्टिक प्रदूषण के लिए सबसे बड़ा खतरा है और भारत ने इस पर पूरी तरह से रोक लगा दिया है। उन्होंने कहा कि लेकिन देखने में आया है कि प्लास्टिक का कच्चा माल तैयार करने वाले लोग अवैध तरीके से इसकी आपूर्ति करते हैं।

यादव ने कहा कि मंत्रालय ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है जिसके तहत कच्चे माल की आपूर्ति करने वालों को बताना होगा कि उन्होंने उस माल की आपूर्ति कहां की है। उन्होंने कहा कि सरकार एकल उपयोग प्लास्टिक को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन यह ऐसा विषय है जिसमें राज्य सरकारों के साथ ही जन-सहयोग की भी जरूरत है

आपराधिक न्याय प्रणाली की कायापलट करने वाले विधेयकों को संसद की मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

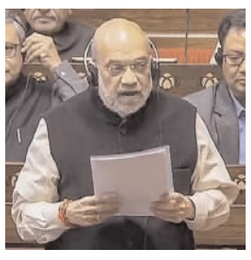

नई दिल्ली/वार्ता। राज्यसभा ने देश की आपराधिक न्याय प्रणाली की कायापलट करने वाले तीन विधेयकों को गुरुवार को अनेक विपक्षी दलों की गैर मौजूदगी में ध्वनिमत से पारित कर दिया।

लोकसभा इन विधेयकों को पहले ही पारित कर चुकी है जिससे इन पर संसद की मुहर लग गयी। विधेयक पर हुई चर्चा में अनेक विपक्षी दलों के सदस्यों ने हिस्सा नहीं लिया। विपक्ष के 46 सदस्य राज्यसभा से निलंबित हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने तीनों विधेयकों, भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता विधेयक , भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता विधेयक और भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) पर संयुक्त रूप से पांच घंटे से भी अधिक चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इनमें दंड आधारित आपराधिक न्याय प्रणाली को हटा कर उसके स्थान पर न्याय केन्द्रित और भारतीय मूल्यों पर आधारित न्यायिक प्रणाली स्थापित करने का प्रावधान है।

उनके जवाब के बाद सदन ने इन विधेयकों को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

तीनों आपराधिक कानूनों की आत्मा भारतीय, एक नए युग की शुरुआत होगी : शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि तीन आपराधिक कानूनों के स्थानों पर लाए गए विधेयकों के संसद से पारित होने के बाद भारत के आपराधिक न्याय प्रक्रिया में एक नई शुरुआत होगी जो पूर्णतया भारतीय होगी। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) विधेयक, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) विधेयक, 2023 और भारतीय साक्ष्य (बीएस) विधेयक, 2023 पर राज्यसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए शाह ने यह भी कहा कि इन विधेयकों का उद्देश्य पूर्ववर्ती कानूनों की तरह दंड देने का नहीं बल्कि न्याय मुहैया कराने का है। उन्होंने कहा, इस नए कानून को ध्यान से पढ़ने पर पता चलेगा कि इसमें न्याय के भारतीय दर्शन को स्थान दिया गया है।

पत्र-पत्रिकाओं के पंजीकरण को आसान बनाने वाले विधेयक को संसद से मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने समाचार-पत्रों और पत्रिकाओं के पंजीकरण को आसान बनाने से संबंधित 'प्रेस और नियतकालिक पत्रिका रजिस्ट्रीकरण विधेयक, 2023' को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। लोकसभा में सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर द्वारा विधेयक पर हुई चर्चा का विस्तृत जवाब दिए जाने के बाद निचले सदन ने इस विधेयक पर अपनी मुहर लगा दी। राज्यसभा इस विधेयक को मानसून सत्र में ही पारित कर चुकी है। ठाकुर ने विधेयक के जरिये अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के हनन के विपक्ष के आरोप को निराधार करार देते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का एक जिम्मेदार मंत्री होने के नाते मैं यह कह सकता हूं कि 75 साल में प्रेस की आजादी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का समय 'अब' है। उन्होंने एआईएमएआईएम के एक सदस्य की टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा कि गैर-कानूनी कार्य करने वाले व्यक्ति को समाचार-पत्र या पत्रिका के पंजीकरण का अधिकार क्यों मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवादी गतिविधियों में शामिल व्यक्ति को अखबार नहीं चलाना चाहिए।

बृजभूषण के विश्वासपात्र

संजय सिंह बने डब्ल्यूएफआई के नए अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के विश्वासपात्र संजय सिंह भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के कई बार लंबित हुए चुनावों में गुरुवार को यहां अध्यक्ष पद पर आसान जीत दर्ज करने में सफल रहे। उनके पैनल ने 15 में से 13 पद पर जीत दर्ज की।

चुनावों के नतीजों ने प्रदर्शनकारी पहलवानों को काफी निराश किया और ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने खेल से संन्यास लेने का फैसला किया। उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष संजय को 40 जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी और राष्ट्रमंडल खेलों की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता अनिता श्योराण को सिर्फ सात मत मिले। आरएसएस से जुड़े संजय वाराणसी के रहने वाले हैं और बृजभूषण के बहुत करीबी सहयोगी हैं।

ओलंपिक पदक विजेता साक्षी ने संन्यास की घोषणा की

नई दिल्ली/भाषा। रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक ने गुरुवार को बृज भूषण शरण सिंह के विश्वासपात्र संजय सिंह की भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष पद के चुनाव में जीत का विरोध करते हुए कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा की। टेबल पर अपने जूते रखकर साक्षी ने नाटकीय अंदाज में संन्यास की घोषणा की। साक्षी की आंखों में आंसू थे, उन्होंने कहा, हमने दिल से लड़ाई लड़ी लेकिन बृजभूषण जैसा आदमी, उसका बिजनेस साझीदार और करीबी सहयोगी डब्ल्यूएफआई का अध्यक्ष चुना गया है तो मैं कुश्ती छोड़ती हूं।

राम मंदिर निर्माण से जुड़े विकास कार्यों का मुख्यमंत्री ने लिया जायजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या(उप्र)/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को अयोध्या पहुंचे और राम जन्मभूमि पर बन रहे भव्य मंदिर और भगवान रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर चल रही तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने यहां पहुंचने पर सबसे पहले हनुमानगढ़ी के दर्शन-पूजन किए।

संकट मोचन हनुमान के दर्शन कर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने सुखी-स्वस्थ उत्तर प्रदेश की कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने रामलला (भगवान राम के बाल स्वरूप)के दर्शन, आरती व परिक्रमा की।

एक सरकारी बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने राम मंदिर निर्माण की प्रगति का भी जायजा लिया। रामलला के दर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। यहां श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े लोगों ने मुख्यमंत्री को निर्माण से जुड़ी जानकारी दी। योगी आदित्यनाथ ने यहां कार्य कर रहे मजदूरों से भी उनका हालचाल पूछा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से वर्तमान समय में चल रहे कार्य की प्रगति भी जानी। निरीक्षण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। अयोध्या में बन रहे भव्य मंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा आगामी 22 जनवरी को की जाएगी। इसके लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां की जा रही हैं।

आतंकवाद से मुकाबले को गंभीरता से ले अमेरिका : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। भारत ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की अमेरिका की यात्रा एवं विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन एवं अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात पर चिंता व्यक्त की है और कहा है कि देशों को आतंकवाद के मुकाबले को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता डॉ. अरिंदम बागची ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में पाकिस्तान के सेना प्रमुख की अमेरिका यात्रा के बारे में पूछे जाने पर कहा, हमने इस संबंध में, इन बैठकों के बारे में कुछ रिपोर्टें देखी हैं। आतंकवाद और सीमा पार हमलों को पाकिस्तान के समर्थन के बारे में हमारी चिंता जगजाहिर है। हमें उम्मीद है कि अन्य देश आतंकवाद से मुकाबले की जरूरत को भी गंभीरता से लें।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इस महीने पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने अमेरिका की यात्रा करके विदेश मंत्री ब्लिंकन एवं अन्य शीर्ष रक्षा एवं कूटनीतिक अधिकारियों से मुलाकात की तथा रक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में सहयोग पर बातचीत की है।

कनाडा के बारे में बागची ने कहा कि हमारी स्थिति एकदम सुसंगत रही है। जब भी यह उठाया गया है, हमने इस बात को रेखांकित किया है कि हम समस्या को कैसे देखते हैं। हमारे हिसाब से मुख्य मुद्दा चरमपंथियों और आतंकवादियों और भारत विरोधियों को कनाडा में महत्व दिया जाना है।

सीआईएसएफ करेगी संसद परिसर की सुरक्षा

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने संसद भवन परिसर में सुरक्षा में हुई चूक की हालिया घटना के मद्देनजर इसकी ''व्यापक'' सुरक्षा का जिम्मा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंपने का फैसला किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सीआईएसएफ एक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) है जो वर्तमान में परमाणु और एयरोस्पेस डोमेन (उड़ान उद्योग संबंधी) के अंतर्गत प्रतिष्ठानों, असैन्य हवाई अड्डों और दिल्ली मेट्रो के अलावा राष्ट्रीय राजधानी में कई केंद्रीय मंत्रालयों के भवनों की सुरक्षा करता है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के जिनदत्तसूरी जैन चेरीटेबल ट्रस्ट के सदस्य ज्ञानचंद गुलेच्छा, मांगीलाल नवलखा, दिलीप गुलेच्छा, हितेश पालरेचा, किरण गुलेच्छा, ऋषभ बागरेचा ने मुमुक्षु शोभाबाई कोटड़िया का सम्मान किया। ट्रस्ट के अलावा वासुपूज्य नवयुवक मंडल, अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद, महिला परिषद, वासुपूज्य महिला मंडल एवं बालिका मंडल द्वारा भी सम्मान किया गया।

तीर्थ समान होते हैं संत, उनका मिलन कर्म का क्षय करता है : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

सागर/दक्षिण भारत । आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी विहार करते हुए शिव्वमोग्गा स्थित

सागर के कुंथुनाथ जैन मंदिर पहुंचे जहां श्रद्धालुओं ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि इन्सान को दिन के उजाले में ऐसा कोई अच्छा काम करना चाहिए कि रात के अंधियारे में भी खुशी के कारण आराम से नींद आ सके। व्यक्ति जंगम तीर्थ यानी साधु की वंदना भक्ति के लिए जाए तो निस्वार्थ भावना से जाना चाहिए। काम, कपट भावना के साथ संत समागम करने से भी कोई लाभ नहीं होगा। साधु तीर्थ के समान होते हैं जिनके मिलने से कर्मों का मैल उतर जाता है। अतः साधु के पास इन्सान को काम-कपट और चोरी छोड़कर जाना चाहिए।

बैठक

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, भाजपा महासचिव बीएल संतोष और त्रिपुरा भाजपा अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य गुरुवार को अगरतला में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में शिरकत करते हुए।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण अल्मोड़ा में लुप्त शहर को खोजेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई)जल्द ही अल्मोड़ा जिले की गेवाड घाटी में रामगंगा नदी के किनारे समतल जमीन के नीचे एक प्राचीन शहर के संभावित अवशेषों की तलाश की कवायद शुरू करेगा। एएसआई के देहरादून सर्किल के अधीक्षण पुरातत्ववेत्ता मनोज सक्सेना ने बृहस्पतिवार को बताया, '' एएसआई के विशेषज्ञों का एक दल दस किलोमीटर से अधिक क्षेत्रफल में संभावित पुरातत्व अवशेषों को तलाशने के लिए जनवरी के पहले या दूसरे सप्ताह में मौके का दौरा करेगा।'' उन्होंने बताया कि गेवाड घाटी में जमीन के नीचे प्राचीन शहर के अवशेष के अस्तित्व के बारे में अनुमान इस बात पर आधारित है कि क्षेत्र में नौवीं, दसवीं, चौदहवीं और पन्द्रहवीं सदी के असंख्य मंदिर मौजूद हैं।

अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में इतने सारे मंदिर मानवीय आबादी के बिना संभव नहीं हैं। सक्सेना ने बताया कि अनुमान का दूसरा आधार इस स्थान का नदी के किनारे स्थित होना है क्योकि ज्यादातर प्राचीन सभ्यताएं नदियों के किनारे ही विकसित हुई थीं। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि अभी यह कवायद तलाश के स्तर पर ही है। उन्होंने कहा, ''अगर हमारी विशेषज्ञों की टीम को खोज अभियान के दौरान कोई ठोस सबूत मिला तो हम विभाग के शीर्ष अधिकारियों से लुप्त शहर की तलाश शुरू करने के लिए खुदाई करने हेतु लाइसेंस दिए जाने का आवेदन करेंगे।''

राज्यसभा में गोयल का कांग्रेस पर तंज, कहा कि उन्हें 'कांग्रेस घास' से एलर्जी है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली।राज्यसभा में बृहस्पतिवार को सदन के नेता पीयूष गोयल ने विपक्षी दल कांग्रेस

पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें कांग्रेस घास से एलर्जी है। 'कांग्रेस घास' विदेशी प्रजाति का एक पौधा है। गोयल ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान वन एवं पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव से यह सवाल किया कि 'कांग्रेस घास' से कैसे एलर्जी होती है? उस समय यादव विदेशी प्रजाति के पौधों के उन्मूलन को लेकर एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

गोयल ने कांग्रेस का नाम लिए बिना कहा, जब मैं एक डॉक्टर के पास गया, तो मुझे कहा गया कि मुझे 'कांग्रेस घास' से एलर्जी है। मैं चाहता हूं कि मंत्री इस बात पर प्रकाश डालें कि 'कांग्रेस घास' से कैसे एलर्जी होती है। इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मंत्री (यादव) ऐसी जगह से आते हैं जहां यह (पौधा) एक बड़ी चुनौती था। उन्होंने गोयल से कहा, मंत्री को इस बारे में पूरी जानकारी है। आप मंत्री से अलग से बात करें। वह समाधान भी सुझाएंगे।

यादव राजस्थान से आते हैं। गोयल ने जोर दिया कि पर्यावरण मंत्री कांग्रेस घास के बारे में सदन के सभी सदस्यों के साथ जानकारी साझा करें। यादव ने कहा कि वह सभापति के निर्देश का पालन करेंगे और इस मुद्दे पर गोयल से अलग से मिलेंगे। 'कांग्रेस घास' या पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस उष्णकटिबंधीय अमेरिकी प्रजाति का पौधा है जो 1955 में भारत आया था।

माना जाता है कि यह खरपतवार अमेरिका से गेहूं के आयात के जरिए भारत आया था। पहली बार, 1955 में पुणे में इसे देखा गया था और फिर यह खरपतवार तेजी से देश में फैल गया। इसे गाजर घास भी कहा जाता है और यह मानव, पशुओं तथा मिट्टी के लिए हानिकारक होता है।

मध्य प्रदेश की पिछली सरकार की सभी योजनाओं को जारी रखा जाएगा : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में पिछली सरकार की सभी योजनाएं जारी रहेंगी। नव निर्वाचित विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान 'लाडली बहना' कार्यक्रम का जिक्र नहीं होने के बाद मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी की है। प्रदेश की 16वीं विधानसभा का चार दिवसीय पहला सत्र बृहस्पतिवार को संपन्न हो गया और इसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल के अभिभाषण पर भाजपा के विधायक कैलाश विजयवर्गीय द्वारा पेश किए गए धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, पिछली सरकार द्वारा चलाई जा रही 'लाडली लक्ष्मी' से लेकर अन्य सभी योजनाएं जारी रहेंगी और तय तारीख पर लाभार्थियों के खातों में राशि स्थानांतरित की जाएगी।

जब विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने विशेष रूप से 'लाडली बहना' योजना के बारे में पूछा, तो यादव ने कहा कि सभी योजनाएं जारी रहेंगी। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की प्रमुख योजना 'लाडली बहना' पात्र महिलाओं को प्रति माह 1,250 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करती है और विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान सत्तारूढ़ भाजपा ने इस राशि को धीरे-धीरे बढ़ाकर तीन हज़ार रुपए करने का वादा किया था। नवगठित विधानसभा के पहले सत्र को संबोधित करते हुए पटेल ने बुधवार को केंद्र और राज्य की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को गिनाया, लेकिन उन्होंने लाडली बहना योजना का उल्लेख नहीं किया। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक रामनिवास रावत और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह समेत पार्टी विधायकों ने बृहस्पतिवार को राज्यपाल के अभिभाषण का हवाला देकर मुख्यमंत्री यादव से 'लाडली बहना' योजना की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की थी।

धार्मिक स्थलों में लगे लाउडस्पीकरों के लिए डेसीबल स्तर तय करने के उच्चतम न्यायालय के आदेश के कार्यान्वयन का जिक्र करते हुए, यादव ने कहा कि उनकी सरकार ने शीर्ष अदालत के निर्देशों को लागू किया है, और भूतपूर्व कांग्रेस सरकार ऐसा करने में विफल रही थी। मुख्यमंत्री बनने के कुछ घंटों बाद, यादव ने पिछले हफ्ते एक निर्देश जारी कर धार्मिक स्थलों पर अनुमेय डेसिबल स्तर से अधिक लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। दिन का सूचीबद्ध कामकाज पूरा करने के बाद, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया।

केरल में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे राज्यपाल और कांग्रेस : मुख्यमंत्री विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बृहस्पतिवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और विपक्षी दल कांग्रेस पर राज्य में शांति भंग करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

विजयन ने कहा कि खान के कृत्य पहले ही इस बात का संकेत दे चुके हैं कि वह ऐसे लोगों का हिस्सा हैं, जिनकी मंशा केरल में शांतिपूर्ण वातावरण को नष्ट करने की है। राज्य सरकार के पहुंच कार्यक्रम नव केरल सदास से इतर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'उनका (राज्यपाल का) इरादा उकसाने और केरल में शांति भंग करने के लिए राज्य में संघर्ष का माहौल तैयार करना है।विजयन ने कहा कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के छात्र संगठन स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने राज्य में विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के तौर पर खान द्वारा सीनेट नियुक्तियों के खिलाफ जिम्मेदाराना तरीके से विरोध प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा, 'उन्होंने (एसएफआई) ऐसा कोई तरीका नहीं अपनाया, जिससे किसी भी प्रकार के संघर्ष की स्थिति पैदा होती, जैसा कि राज्यापल करना चाहते थे। वे (एसएफआई) उनके (खान) स्तर तक नहीं गिरे। वे उनके जाल में नहीं फंसे और इसकी सराहना किए जाने की जरूरत है। विजयन ने कहा कि सांप्रदायिक ताकतों और उनके एजेंट राज्य के उच्च शिक्षा क्षेत्र को नई ऊंचाईयों पर पहुंचने से रोकने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य आने वाली पीढ़ी के कंधों पर टिका है और इसलिए जो लोग जातिवाद और छात्रों के दिमाग में नफरत भरने का जहर घोल रहे हैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत है।

प्रदर्शन

झारखंड विधानसभा के चल रहे शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन गुरुवार को रांची में भाजपा विधायकों ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

भाजपा ने केरल में ईसाइयों को जोड़ने के लिए 'स्नेह यात्रा' फिर शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। ऐसे में जबकि लोकसभा चुनाव में कुछ महीने ही शेष हैं, केरल में भाजपा ने बृहस्पतिवार को अपनी 'स्नेहा यात्रा' फिर से शुरू की। स्नेह यात्रा एक संपर्क कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य राज्य में ईसाई समुदाय को पार्टी से जोड़ना है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने यह पहल इस साल ईस्टर के दौरान की थी। पार्टी ने हाल ही में प्रदेश समिति की बैठक में क्रिसमस के दौरान यात्रा फिर से शुरू करने का फैसला किया।

भाजपा प्रदेश प्रमुख के सुरेंद्रन ने सुबह पास के कक्कनाड में सेंट थॉमस माउंट में सिरो मालाबार चर्च के पूर्व प्रमुख कार्डिनल जॉर्ज एलेनचेरी से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने वेरापोली के लातिन आर्चडीओसीज के आर्चबिशप जोसेफ कलातिपारबिल से भी मुलाकात की और प्रधानमंत्री की शुभकामनाएं दीं।

सुरेंद्रन ने बाद में एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि यह राज्य में 'स्नेह यात्रा' की शुरुआत है। उन्होंने चर्च प्रमुखों के साथ अपनी सौहार्दपूर्ण बैठकों की तस्वीरें भी साझा कीं। हालांकि, चर्च के प्राधिकारियों और भाजपा नेतृत्व ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि बंद कमरे में हुई बैठक के दौरान किन विषयों पर चर्चा हुई। भाजपा के एक नेता ने कहा कि एलेनचेरी के साथ बैठक 45 मिनट से अधिक समय तक चली और यह एक गर्मजोशी से भरी एक मैत्रीपूर्ण बैठक थी। पार्टी के जिला अध्यक्ष के एस शैजू ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'यह एक दोस्ताना मुलाकात थी...भाजपा प्रमुख ने उन्हें प्रधानमंत्री मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। बाद में उन्होंने साथ में नाश्ता किया।

यह पूछे जाने पर कि क्या लोकसभा चुनाव से पहले किसी राजनीतिक मुद्दे पर चर्चा हुई, नेता ने कोई विवरण नहीं दिया। उन्होंने कहा, यात्रा का उद्देश्य प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करना था। उन्होंने मीडिया की उन खबरों को भी खारिज कर दिया कि मणिपुर हिंसा मुद्दे के बाद चर्च और भाजपा के बीच मतभेद थे। उन्होंने कहा, यह सिर्फ मीडिया की उपज थी। भाजपा और चर्च दोनों ने हमेशा सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखा है। हालांकि कई वरिष्ठ बिशप ने हाल के दिनों में राज्य में कई मौकों पर भाजपा समर्थक बयान दिए हैं, लेकिन मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कथित चुप्पी ने दोनों के बीच कथित तौर पर मतभेद उत्पन्न कर दिए हैं। भाजपा सूत्रों ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य ईसाई समुदाय को पार्टी के करीब लाना है।

पार्टी के नेता और कार्यकर्ता 30 दिसंबर तक प्रधानमंत्री का संदेश लेकर ईसाई नागरिकों के घरों में जाएंगे। पार्टी ने हाल ही में लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए राज्य भर में पदयात्राएं निकालने का भी फैसला किया है।

भाजपा राज में संसद, सरहद, सड़क, समाज कुछ भी सुरक्षित नहीं : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन में संसद, सरहद, सड़क और समाज कुछ भी सुरक्षित नहीं है।

उन्होंने मणिपुर से जुड़ा एक वीडियो साझा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, जरा सोचिए कि मणिपुर हिंसा में मारे गए लोगों को आठ महीने बाद जाकर दाह संस्कार नसीब हुआ। मणिपुर को लेकर जब संसद में सवाल पूछे गए, तो सरकार ने जिम्मेदारी लेने की जगह अनर्गल जवाब दिए।

तेलंगाना के मुख्यमंत्र ने बीआरएस सरकार के बिजली समझौते, परियोजनाओं की न्यायिक जांच के आदेश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बृहस्पतिवार को कहा कि तेलंगाना सरकार छत्तीसगढ़ के साथ बिजली खरीद समझौतों के साथ-साथ पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार द्वारा भद्राद्रि और यदाद्रि थर्मल पावर संयंत्रों के निर्माण की न्यायिक जांच का आदेश देगी।

विधानसभा में बिजली क्षेत्र पर एक संक्षिप्त चर्चा के दौरान रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार की 24 घंटे मुफ्त बिजली आपूर्ति पहल की जांच-पड़ताल के लिए एक सर्वदलीय तथ्यान्वेषण समिति गठित करने की इच्छुक है। तेलंगाना में बिजली क्षेत्र पर कांग्रेस सरकार द्वारा सदन में पेश किए गए एक श्वेत पत्र में कहा गया है कि 31 मार्च 2023 तक तेलंगाना के डिस्कॉम का संचित घाटा 62,461 करोड़ रुपए था, जबकि अक्टूबर 2023 तक कर्ज बढ़कर 81,516 करोड़ रुपए हो गया।

उन्होंने कहा, राज्य सरकार ऊर्जा विभाग के तीन मुद्दों की न्यायिक जांच का आदेश दे रही है। छत्तीसगढ़ से 1000 मेगावाट बिजली खरीद के समझौते में पिछली सरकार द्वारा की गई लापरवाही और भ्रष्टाचार की जांच की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भद्राद्रि और यदाद्रि थर्मल पावर संयंत्र के निर्माण में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। रेड्डी ने कहा कि उन दो मुद्दों की न्यायिक जांच के भी आदेश दिए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क द्वारा श्वेत पत्र पेश करने के बाद अल्पकालिक चर्चा शुरू करने वाले बीआरएस विधायक जगदीश रेड्डी ने कहा कि पिछली सरकार ने विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि की और काफी संपत्तियों का निर्माण किया।श्वेत पत्र का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने किसानों को प्रतिदिन औसतन 19 घंटे से अधिक मुफ्त बिजली प्रदान की, जबकि कांग्रेस पार्टी ने आठ से 10 घंटे बिजली देने का आरोप लगाया था।

मुलाकात

नई दिल्ली में भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह गुरुवार को नई दिल्ली में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह के आवास पर मुलाकात करते हुए।

ईडी के समक्ष पूछताछ के लिए फिर पेश नहीं हुए केजरीवाल, कहा- समन राजनीति से प्रेरित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पूछताछ के लिए एक बार फिर पेश नहीं हुए और आरोप लगाया कि समन राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के इशारे पर जारी किए गए हैं, जो विपक्ष की आवाज दबाना चाहते हैं।

केजरीवाल को ईडी ने बृहस्पतिवार को आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था लेकिन वह बुधवार को 10 दिवसीय विपश्यना ध्यान सत्र के लिए चले गए।मुख्यमंत्री ने बुधवार को ईडी को भेजे जवाब में कहा कि समन में यह स्पष्ट नहीं किया गया है उन्हें मामले में ''गवाह या संदिग्ध'' के तौर पर या एक ''दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री अथवा आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक'' के रूप में बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि ताजा समन 18 दिसंबर को जारी किया गया जिसे निश्चित रूप से रद्द, वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने ईडी को भेजे अपने जवाब में कहा, आपके समन का समय इसके पीछे की मंशा, मेरे इस विश्वास को मजबूत करते हैं कि मुझे भेजे जा रहे समन किसी उद्देश्य या तर्कसंगत मानदंड पर आधारित नहीं हैं बल्कि ये राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के इशारे पर अनावश्यक विचारों से प्रेरित हैं जो केंद्र में सत्तारूढ़ दल के विरोध की आवाज को चुप कराना चाहते हैं ताकि 2024 की शुरुआत से लेकर मध्य तक होने वाले संसदीय चुनावों से पहले अंतिम कुछ महीनों में सनसनीखेज खबरें बन सकें।

केजरीवाल की आम आदमी पार्टी विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा है। इससे पहले केजरीवाल को ईडी ने दो नवंबर को तलब किया था, लेकिन वह नोटिस को अवैध और राजनीति से प्रेरित बताते हुए पूछताछ में शामिल नहीं हुए थे। उन्होंने कहा कि ईडी ने उनके पिछले जवाब में उठाए गए मुद्दों का जवाब दिए बिना ही नया समन जारी कर दिया।

केजरीवाल ने अपने जवाब में कहा, ऐसी ही परिस्थितियों में जहां व्यक्तियों को न तो मामले के विवरण के बारे में सूचित किया जाता है और न ही प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उन्हें किस क्षमता से बुलाया जा रहा है इस बारे में सूचित किया जाता है, उच्च न्यायालयों ने ईडी के ऐसे समन को अमान्य घोषित कर दिया है और समन को रद्द किया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक ने जोर देकर कहा कि वह ''एक निर्वाचित नेता और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के मौजूदा मुख्यमंत्री के रूप में एक संवेदनशील संवैधानिक पद पर हैं''।

अपने जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपना जीवन पारदर्शिता और ईमानदारी से गुजारा है और उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि वह किसी भी कानूनी समन को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं।

तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले में केंद्रीय दल ने बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुनेलवेली। तमिलनाडु के चार दक्षिणी जिलों में 17 और 18 दिसंबर को हुई मूसलाधार बारिश से नुकसान की सीमा का आकलन करने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल ने बृहस्पतिवार को तिरुनेलवेली जिले में बाढ़ से प्रभावित इलाकों का दौरा किया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (संचालन एवं संपर्क) के सलाहकार के.पी. सिंह के नेतृत्व में दल ने तिरुनेलवेली जंक्शन बस स्टैंड के जलमग्न इलाके का दौरा किया और अधिकारियों से बातचीत की।

प्रभावित लोगों से दल की बातचीत के दौरान एक महिला अपना दर्द बयां करते-करते भावुक हो गई और मदद के लिए सिंह के पैरों में गिर गई। बारिश की वजह से पीड़ित महिला का मकान ढह गया था।

सिंह ने बिलखती हुई महिला को अपने पैर छूने से रोका और उन्हें उचित वित्तीय सहायता का आश्वासन दिया। तिरुनेलवेली के जिलाधिकारी के.पी. कार्तिकेयन के मुताबिक, बारिश से पहले प्रशासन ने एहतियात के रूप में 696 गर्भवती महिलाओं को स्थानांतरित किया था। 142 महिलाओं को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया और उनमें से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती 14, सरकारी अस्पताल में 13, तिरुनेलवेली मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 21 और निजी अस्पतालों में 43 महिलाओं सहित 91 गर्भवती महिलाओं ने पिछले दो दिनों में बच्चों को जन्म दिया।

उन्होंने कहा कि कुनूर गांव में टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जा रही है क्योंकि यहां तामिरबरणी नदी में बाढ़ के कारण पानी की व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। उन्होंने लोगों से पानी को उबालकर फिर उसे ठंडा करके पीने की सलाह दी है।

राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में सबसे ज्यादा 'ब्लैक स्पॉट' तमिलनाडु में : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने देशभर में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में 5,803 'ब्लैक स्पॉट' (खतरनाक जगहों) की पहचान की है, जिनमें तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक की हिस्सेदारी सर्वाधिक है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि राज्यों से प्राप्त 2018 से 2020 तक के आंकड़ों के आधार पर इन 'ब्लैक स्पॉट' पर दुर्घटनाओं/मृत्यु का राज्य/केंद्र शासित प्रदेश का विवरण प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्ग का लगभग 500 मीटर का वह हिस्सा जहां तीन वर्षों के दौरान कम से कम पांच सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं और जिसके परिणामस्वरूप 10 मौतें हुई हैं, उन्हें दुर्घटना की दृष्टि से 'ब्लैक स्पॉट' के रूप में नामित किया गया है। गडकरी ने बताया कि पूरे देश में तमिलनाडु में सबसे अधिक 748 'ब्लैक स्पॉट' हैं, इसके बाद पश्चिम बंगाल (701) और तेलंगाना (485) का स्थान है।

एक अन्य प्रश्न के लिखित उत्तर में गडकरी ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने हाल ही में 14 एनएच पर 26 परियोजनाओं में 39 सुरंगों की समीक्षा की है, जिनमें 17 सुरंग परियोजनाओं की समीक्षा पूरी हो चुकी है और पांच की समीक्षा दिसंबर के अंत तक पूरी होने वाली है।

उन्होंने कहा कि चार सुरंग परियोजनाओं का निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

द्रमुक के नेता को आय से अधिक संपत्ति मामले में तीन वर्ष के कारावास की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति के मामले में मद्रास उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री के. पोनमुडी को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत तीन साल जेल की सजा सुनाई और 50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। सजा सुनाए जाने के साथ ही द्रमुक के वरिष्ठ नेता पोनमुडी (72) की विधानसभा की सदस्यता समाप्त हो गई और मंत्री पद भी चला गया।

हालांकि पोनमुडी को सजा सुनाए जाने पर उनकी पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) ने कहा है कि यह कोई झटका नहीं है। उत्तरी तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के रहने वाले पोनमुडी तिरुक्कोयिलुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे। न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन ने पोनमुडी की पत्नी पी. विशालाक्षी को भी तीन साल जेल की सजा सुनाई। न्यायाधीश ने पोनमुडी और उनकी पत्नी पर 50-50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

अदालत में सुनवाई शुरू होने पर वरिष्ठ वकील एनआर एलांगो ने पोनमुडी और उनकी पत्नी विशालाक्षी को उच्चतम न्यायालय के समक्ष विशेष अनुमति याचिका दायर करने की छूट देने और सजा को निलंबित करने का अनुरोध किया। न्यायाधीश ने कहा कि यदि आरोपी व्यक्ति 22 जनवरी, 2024 को या उससे पहले आत्मसमर्पण करने में विफल रहते हैं, तो निचली अदालत वारंट जारी करके आदेश पर अमल करे। उच्च न्यायालय ने पोनमुडी और उनकी पत्नी को पहले ही दोषी करार दे दिया था, लेकिन

सजा आज सुनाई। कानूनी विशेषज्ञों ने कहा कि पोनमुडी अपनी दोषसिद्धि और जेल की सजा के बाद विधायक पद के अयोग्य हो गए हैं और उन्होंने मंत्री पद भी खो दिया है। पोनमुडी की अयोग्यता के बारे में पूछे जाने पर, वरिष्ठ वकील अबुदुकुमार राजरथिनम ने कहा, पोनमुडी की दोषसिद्धि के मद्देनजर, उन्हें जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा आठ (1) (एम) के तहत छह साल के लिए अयोग्य हो गए हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा, पोनमुडी को दोषी ठहराए जाते ही अयोग्य घोषित कर दिया गया है। उनका एकमात्र विकल्प अपनी सजा पर रोक लगाने के लिए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाना है ताकि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत अयोग्यता न हो। चूंकि वह एक विधायक नहीं रह गए हैं, इसलिए वह तमिलनाडु के मंत्री का पद संभालने के लिए भी अयोग्य हैं।

न्यायाधीश ने 19 दिसंबर को पोनमुडी और उनकी पत्नी विशालाक्षी को मामले में दोषी ठहराया था और उन्हें सजा सुनाने से पहले सुनवाई के लिए बृहस्पतिवार को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया था। पोनमुडी और विशालाक्षी आज सुबह 9:50 बजे तक अदालत में उपस्थित थे।

न्यायाधीश ने पोनमुडी और विशालाक्षी से पूछा कि क्या उन्हें सजा के बारे में कुछ कहना है। पोनमुडी ने कहा कि वह निर्दोष हैं, 72 साल के हैं और पिछले 10 साल से हृदय रोगी हैं। उन्होंने अदालत से कम सजा देने की गुहार लगाई। विशालाक्षी ने कहा कि वह 68 साल की हैं। उनके पति 'हृदय रोगी' हैं और उन्हें उनकी देखभाल करनी होती है, इसलिए कम सजा दी जा सकती है।

हालांकि पोनमुडी को सजा सुनाए जाने पर उनकी पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) ने कहा है कि यह कोई झटका नहीं है। द्रमुक के संगठन सचिव आर. एस. भारती ने पोनमुडी को सजा सुनाए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, यह निश्चित रूप से द्रमुक के लिए झटका नहीं है। यह फैसला उतना प्रतिकूल नहीं है। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, इस मामले में एक तकनीकी मुद्दा है। हम उच्चतम न्यायालय में अपील करेंगे और इसे दूर कर लेंगे।

चेन्नई की कंपनी के पूर्व सीईओ सहित तीन को कारावास की सजा

बैंक धोखाधड़ी मामला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली/भाषा। चेन्नई की एक अदालत ने बैंक ऑफ इंडिया को 2.06 करोड़ रुपये के नुकसान के आरोप में पालपैप इचिनिची सॉफ्टवेयर इंटरनेशनल लिमिटेड के पूर्व सीईओ-सह-अध्यक्ष पी सेंथिल कुमार और दो अन्य को पांच साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई)ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी

एजेंसी ने बताया कि सीबीआई की विशेष अदालत ने तीनों दोषियों और कंपनी पर कुल 2.10 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया है। एक अधिकारी ने बताया कि संघीय एजेंसी ने 2008 में बैंक ऑफ इंडिया की एक शिकायत के बाद मामले की जांच अपने हाथ में ले ली। आरोप था कि कुमार ने अपनी कंपनी के कर्मचारियों के रूप में फर्जी व्यक्तियों के नाम पर चेन्नई की अन्ना सलाई शाखा में स्टार पर्सनल लोन योजना के तहत 149 ऋण खाते खोले थे। उसने कथित लाभार्थियों की फर्जी वेतन पर्ची और पहचान पत्र के आधार पर ऋण लिया था।

सीबीआई ने उसी साल आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया था। इसके बाद विशेष अदालत में मामले की सुनवाई हुई। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने कहा कि विशेष न्यायाधीश जे.जे. गिरिजा रानी ने कुमार को पांच साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई और उन पर 2.07 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। उन्होंने बताया कि न्यायाधीश ने कालिदासन और थानजन चासनर को भी पांच साल सश्रम कारावास की सजा के साथ एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया। प्रवक्ता के मुताबिक पालपैप इचिनिची सॉफ्टवेयर इंटरनेशनल लिमिटेड पर भी अदालत ने एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कुमार को इससे पहले जून में अदालत ने इंडियन बैंक से 4.19 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी मामले में पांच साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी।

तमिलनाडु से सबरीमाला जा रहे तीर्थयात्रियों का वाहन चाय बागान में पलटा, आठ घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इडुक्की। तमिलनाडु से सबरीमाला जा रहे तीर्थयात्रियों का एक वाहन बृहस्पतिवार तड़के केरल के इडुक्की जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे कम से कम आठ श्रद्धालु घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं में से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु के श्रद्धालु पड़ोसी पथनमथिट्टा जिले में स्थित भगवान अयप्पा मंदिर में पूजा करने के लिए जा रहे थे। दुर्घटना कुमिली के पास शंकरगिरी में हुई और घटना के समय वाहन में 26 तीर्थयात्री सवार थे। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि वे 'गूगल मैप' की मदद से यात्रा कर रहे थे और संभवत: घने कोहरे के कारण यह दुर्घटना हुई।

उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया, जब वाहन एक घुमावदार मोड़ पर मुड़ रहा था तब चालक ने अचानक उस पर से नियंत्रण खो दिया और वाहन बगल के चाय बागान में पलट गया। उन्होंने बताया कि कम से कम आठ श्रद्धालुओं को चोटें आईं और उनमें से एक की हालत गंभीर है।

डीएमके मंत्री कन्नप्पन को अतिरिक्त प्रभार के रूप में पोनमुडी का विभाग मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास के सुपीरियर ट्रिब्यूनल के फैसले में उच्च शिक्षा मंत्री के पोनमुडी को आय से अधिक संपत्ति के मामले में तीन साल की कैद की सजा सुनाई। उनकी शक्ति में मौजूद विभाग (उच्च शिक्षा और कुछ अन्य विषय) कम हो गए हैं। मंत्री आरएस राजकन्नप्पन को ये कार्यभार सौंपा गया है।

राजभवन से एक संचार में कहा गया है कि, मंत्री प्रिंसिपल एमके स्टालिन की सिफारिश पर, राज्यपाल आरएन रवि ने सुपीरियर शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभागों को राजकन्नप्पन को सौंपा है, जो पहले पोनमुडी के कब्जे में थे।

राज्यपाल ने प्रधान मंत्री की इस सिफारिश को भी मंजूरी दे दी कि राजकन्नप्पन के प्रभार के तहत खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के विभागों को कपड़ा मैनुअल और कपड़ा मंत्री, आर गांधी को सौंपा जाएगा।

इनमें बुधन और ग्रामधन या गांधी द्वारा बनाए गए मैनुअल श्रमिकों और वस्त्रों के पोर्टफोलियो शामिल थे।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने बाढ़ से तबाह तूत्तुक्कुडि का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तूत्तुक्कुडि। तमिलनाडु में बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लेने तथा बाढ़ प्रभावित लोगों को सांत्वना देने के लिए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बृहस्पतिवार को दक्षिणी जिलों का दौरा किया। मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से चेन्नई से यहां पहुंचे और एंथोनियारपुरम के लोगों से बातचीत की और बाद में उन्हें राहत सामग्री वितरित की। मुख्यमंत्री, जिले में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों और पड़ोसी तिरुनेलवेल्ली का दौरा करने के बाद संबंधित जिलाधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे। बाढ़ के कारण जिले के कई हिस्से कट गए और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम ने तूत्तुक्कुडि जिला प्रशासन की मदद से फंसे हुए लोगों को राहत सहायता प्रदान की। इन दो जिलों के अलावा, तेनकासी और कन्याकुमारी में भी 17 और 18 दिसंबर को भारी बारिश हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप बाढ़ आ गई थी।

कोट्टूरपुरम में पुलिस सब-इंस्पेक्टर पर हमला करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोट्टूरपुरम/एजेन्सी। 32 वर्षीय व्यक्ति को बुधवार को नशे की हालत में एक पुलिस उप-निरीक्षक (एसआई) पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

कथित तौर पर उस व्यक्ति ने नशे की हालत में एक बाइक को टक्कर मार दी और दूसरी मोटर चालक, एक महिला, से बहस कर रहा था। जब पुलिसकर्मी ने हस्तक्षेप किया तो नशे में धुत व्यक्ति और उसके साथी ने पुलिसकर्मी पर हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान अभिरामपुरम के हर्षवर्द्धन (32) के रूप में हुई है।

जब दुर्घटना हुई तब वह कोट्टूरपुरम में जीकेमूपनार पुल के पास बाइक चला रहे थे। उसने एक महिला द्वारा चलाई जा रही बाइक को टक्कर मार दी जिससे वह गिर गई और घायल हो गई।

कर्नाटक में सीटों के तालमेल की अटकलों के बीच देवेगौड़ा, कुमारस्वामी प्रधानमंत्री मोदी से मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/बेंगलूरु। आगामी लोकसभा चुनाव में जनता दल (सेक्युलर) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच कर्नाटक में सीटों के तालमेल को लेकर बातचीत की अटकलों के बीच पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा और पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। संसद भवन स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई इस मुलाकात के दौरान कुमारस्वामी के भतीजे और जद (एस) के हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना सहित पार्टी के कुछ अन्य नेता मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी ने खुद ही इस मुलाकात की तस्वीरें 'एक्स' पर साझा की और कहा, पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा जी, कुमारस्वामी जी और एचडी रेवन्ना से मिलकर हमेशा खुशी होती है। देश की प्रगति में देवेगौड़ा जी के अनुकरणीय योगदान को भारत बहुत महत्व देता है। विविध नीतिगत मामलों पर उनके विचार व्यावहारिक और भविष्योन्मुखी होते हैं।

कुमारस्वामी बुधवार को इन अटकलों के बीच नयी दिल्ली पहुंचे कि वह लोकसभा चुनाव के लिए कर्नाटक में सीट बंटवारे पर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के साथ बातचीत कर सकते हैं। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद कुमारस्वामी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान, हमने वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की और प्रधानमंत्री के सामने कर्नाटक के किसानों से जुड़े मुद्दों पर प्रकाश डाला।

राजस्थान में कोविड-19 के दो नए मरीज सामने आए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने कई राज्यों में कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए कोविड-19 एवं श्वसन रोगों से बचाव व नियंत्रण के लिए परामर्श जारी किया है। सरकारी बयान के अनुसार जयपुर में बृहस्पतिवार को दो लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाये गए। जयपुर में मिले संक्रमितों में से एक झुंझुनूं तथा दूसरा भरतपुर का मूल निवासी है। राज्य में एक दिन पहले जैसलमेर जिले में भी दो लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। इस समय राज्य में कुल चार उपचाराधीन मरीज हैं। उल्लेखनीय है कि केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, दिल्ली व गोवा में

कोविड का नया सब उप स्वरूप 'जेएन-1' पाया गया है। वहीं, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने इस बारे में एक परामर्श जारी किया है। परामर्श के अनुसार विशेषज्ञों की राय में प्रथम दृष्टया यह अपेक्षाकृत कम संक्रमण वाला प्रतीत होता है। परामर्श के मुताबिक हल्की सर्दी, खांसी, बुखार, जुकाम व गला खराब के रोगी चिकित्सक की सलाह समय पर लेते हैं तो रोग के नियंत्रण पर प्रभावी व तत्काल काबू पाया जा सकता है। इसके अनुसार चिकित्सक के परीक्षण उपरांत रोगियों में सामान्य सर्दी, खांसी, बुखार, जुकाम व गला खराब के लक्षण की स्थिति में गृह पृथकवास एवं उक्त लक्षणों के गंभीर या लम्बी अवधि होने की स्थिति में तथा ज्यादा संक्रमण पर अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी जाती है। संक्रमण के लक्षण होने पर नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सक की सलाह अनुसार कोविड-19 की जांच व उपचार समय रहते लिया जाना चाहिए।

परामर्श के मुताबिक संक्रमित रोगियों जिन्हें सर्दी, खांसी, बुखार, जुकाम व गला खराब की तकलीफ है, उन्हें दूसरे लोगों से दूरी बनानी चाहिए और मास्क का उपयोग करना चाहिए एवं हाथों को आवश्यकतानुसार साबुन से 20 सेकंड तक धोना या सेनिटाइजर का उपयोग करना चाहिए।

राजस्थान के सीकर व चूरू में कड़ाके की सर्दी

जयपुर। राजस्थान के सीकर और चूरू सहित कई इलाकों में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है जहां बीती रात न्यूनतम तापमान सीकर में 2.5 डिग्री और फतेहपुर में 3.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, बृहस्पतिवार को कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है। बीती रात न्यूनतम तापमान हनुमानगढ़ के संगरिया में 4.1 डिग्री, पिलानी में 4.9 डिग्री, सीकर में 5.0 डिग्री, गंगानगर में 6.3 डिग्री, सिरोही में 6.5 डिग्री, करौली में 7.9 डिग्री, जैसलमेर में 8 डिग्री और बीकानेर में 8.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राज्य की राजधानी जयपुर में न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम केंद्र के अनुसार, एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 22 दिसंबर को पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, नागौर, चूरू, हनुमानगढ़ व गंगानगर जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश/बूंदाबांदी होने की संभावना है। शेष अधिकतर भागों में बादल छाए रहने की संभावना है।

देवनानी विधानसभा के अध्यक्ष निर्वाचित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के वरिष्ठ विधायक वासुदेव देवनानी बृहस्पतिवार को सर्वसम्मति से नवगठित राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देवनानी को नवगठित 16वीं विधानसभा का अध्यक्ष निर्वाचित करने का प्रस्ताव रखा जिसका अनुमोदन पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने किया। उसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के इस आशय के प्रस्ताव का अनुमोदन विधायक राजकुमार रोत ने किया। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी के प्रस्ताव का अनुमोदन विधायक चंद्रभान सिंह ने किया। वहीं देवनानी को विधानसभा का अध्यक्ष निर्वाचित करने के विधायक हनुमान बेनीवाल के प्रस्ताव का अनुमोदन विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने किया।

इसके बाद प्रोटेम स्पीकर कालीचरण सराफ ने देवनानी के सर्वसम्मति से विधानसभा अध्यक्ष होने की घोषणा की। मुख्यमंत्री शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, गोविंद सिंह डोटासरा तथा सचिन

पायलट सहित अन्य नेता उन्हें आसन तक लेकर गए। उल्लेखनीय है कि राज्य में विधानसभा की 200 में से 199 सीट पर 25 नवंबर को मतदान हुआ। भाजपा ने 115 सीट जीतीं, जबकि कांग्रेस को 69 सीट मिलीं।

करणपुर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी के निधन के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया था। इस सीट पर अब पांच जनवरी को मतदान होगा। नवनिर्वाचित विधानसभा अध्यक्ष देवनानी अजमेर (उत्तर) सीट से जीते हैं और वह सिंधी समुदाय से आते हैं। पांच बार के विधायक देवनानी इंजीनियरिंग में स्नातक हैं और राजनीति में प्रवेश करने से पहले, वह उदयपुर के सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज में व्याख्याता थे।

राजस्थान विधानसभा में छह और विधायकों ने शपथ ली

जयपुर।राजस्थान की नवगठित 16वीं विधानसभा के पहले सत्र के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को छह और नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली। सदन की कार्यवाही दोपहर बाद ढाई बजे शुरू हुई। प्रोटेम स्पीकर कालीचरण सराफ ने कल शपथ नहीं ले पाए विधायकों को शपथ दिलाई। जिन नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली उनमें बहादुरसिंह, भागचंद टाकड़ा, महंत बालकनाथ, वीरेंद्र सिंह, श्रीचंद कृपलानी व सोहनलाल नायक हैं।

विधायक जगत सिंह तथा महेंद्रजीत मालवीय सदन में उपस्थित नहीं होने के कारण शपथ नहीं ले पाए। उल्लेखनीय है कि सत्र के पहले दिन बाकी विधायकों ने शपथ ली थी। शपथ लेने के बाद विधायक कृपलानी ने कुछ बोलने की कोशिश की लेकिन आसन ने इसकी अनुमति नहीं दी ।

आमजन को सस्ती तथा निर्बाध बिजली आपूर्ति राज्य सरकार की प्राथमिकता है : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आमजन को सस्ती तथा निर्बाध बिजली आपूर्ति राज्य सरकार की प्राथमिकता है। शर्मा ने कहा कि इसके लिये दीर्घकालिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर कार्ययोजना बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्य में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं और इनका विस्तृत अध्ययन कर योजना बनाई जाए। शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय में ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे राज्य में बिजली की मांग और आवश्यकता के बारे में विस्तृत कार्य-योजना बनाएं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ऊर्जा विभाग की ओर से आमजन को बिजली बचाने के बारे में जागरूक करने के लिए अभियान चलाए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी बिजली आपूर्ति की सतत निगरानी करें तथा जनप्रतिनिधियों, विभागीय कर्मचारियों एवं आमजन से समय-समय पर प्रतिक्रिया लें।

शर्मा ने विद्युत की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बिजली लाइन में सुधार, नए ट्रांसफार्मर और जीएसएस स्थापित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य की विद्युत उत्पादन क्षमता को बढ़ाया जाए ताकि हमें कम मात्रा में बिजली खरीद करनी पड़े।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार और कोल इंडिया को पर्याप्त कोयला आपूर्ति के लिए पत्र लिखकर समन्वय स्थापित किया जाए तथा अधिकारी सुनिश्चित करें कि राज्य को न्यूनतम मूल्य पर बिजली आपूर्ति हो। बैठक में विभागीय अधिकारियों ने बिजली उत्पादन तथा निर्बाध आपूर्ति के संबंध में सुझाव दिए। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव (ऊर्जा) भास्कर ए. सावंत, राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक आशुतोष ए.टी. पेडणेकर एवं ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली शिक्षा का हो विकास : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने गुरूवार को उदयपुर स्थित मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के 31 वे दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित करते हुए सन 2047 तक देश को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालयों पाठ्यक्रमों को उद्यमिताआधारित रोजगारोन्मुखी किए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा की नौकरी प्राप्त करने की बजाय नौकरी प्रदान करने वाले युवाओं के लिए उच्च शिक्षा में अधिकाधिक कार्य हो।

मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति में कक्षा 6 से स्किल डवलपमेंट पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जाने का प्रावधान है। इससे नई पीढ़ी को समय पर एक दिशा मिल जाएगी जिससे वे अपने कैरियर निर्माण सही ढंग से कर पाएंगे। विश्वविद्यालयों में भी उसी अनुरूप पाठ्यक्रम निर्माण करना आज की आवश्यकता है।

स्टार्टअप के क्षेत्र में समूचे विश्व में भारत के अग्रणी होने की बात रेखांकित करते हुए उन्होने कहा कि पढ़ाई के पश्चात युवाओं को

आत्मनिर्भर बनने की योग्यता विकसित करनी होगी।

मिश्र ने कहा कि प्राचीन भारतीय गुरूकुल शिक्षा पद्धति में छात्र को सभी विषयों में निष्णात किया जाता था। छात्र के सर्वांगीण विकास पर चर्चा करते हुए उसे आचरण में उतारने की शिक्षा दी जाती थी। मेरा आग्रह है कि विश्वविद्यालय में प्राप्त शिक्षा राष्ट्र व समाज के लिए अधिकाधिक उपयोगी सिद्ध हों, ऐसे कार्य करें। उन्होने कहा कि दीक्षान्त का अवसर शिक्षा का अंत नहीं बल्कि नवजीवन में समावर्तन का अवसर है। दीक्षान्त समारोह में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर के कुलपित प्रो. रमाशंकर दुबे ने दीक्षान्त भाषण दिया। सुखाड़िय विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. सुनिता मिश्रा ने विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन वाचन किया। छात्राओं के अग्रणी रहने पर जताई प्रसन्नता दीक्षान्त समारोह में कुल 115 पदकों में से 88 पदक छात्राओं ने हासिल किए। 186 उपाधियों में से 100 उपाधियां छात्राओं को मिलीं। छात्राओं की अधिक संख्या पर प्रसन्नता जताते हुए मिश्र ने कहा कि नारियों के सम्मान की परम्परा वाले इस देश में शिक्षा के क्षेत्र में छात्राओं का अग्रणी रहना एक शुभ लक्षण है। उन्होने प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में महिला कुलपतियों की नियुक्ति का जिक्र करते हुए कहा कि आज देश की नारियों हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं। दीक्षान्त समारोह के अवसर पर मिश्र ने विश्वविद्यालय के नवीन बहुमंजिला प्रशासनिक भवन एवं मल्टीपरपज परीक्षा ब्लॉक की आधारशिला रखी।

भजन लाल शर्मा ने दोनों उपमुख्यमंत्री के साथ की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्रियों दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गुरुवार को यहां दिल्ली में मुलाकात की। तीनों नेताओं ने संसद भवन परिसर में स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर प्रदेश में सरकार चलाने को लेकर मार्गदर्शन प्राप्त किया और उन्हें प्रदेश के हालात से भी अवगत कराया। प्रधानमंत्री कार्यालय के आधिकारिक एक्स अकाउंट से मुलाकात की तस्वीर को शेयर करते हुए पोस्ट कर कहा गया है, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उपमुख्यमंत्रियों दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

आपको बता दें कि राजस्थान में मंत्रिमंडल का विस्तार करने के लिए पार्टी के आला नेताओं का मार्गदर्शन प्राप्त करने और उनसे विचार विमर्श करने के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री दिल्ली दौरे पर हैं। राजस्थान में एक नए चेहरे को मुख्यमंत्री नियुक्त कर भाजपा आलाकमान ने पार्टी में नया नेतृत्व उभारने की कोशिश की है और अब पार्टी की कोशिश यह है कि राज्य में बनने वाले मंत्रिमंडल में सभी दिग्गज नेताओं के समर्थकों को किस तरह से जगह दी जाए, राजस्थान के सभी क्षेत्रों और सभी प्रभावी जातियों का किस तरह से ध्यान रखा जाए और पार्टी आलाकमान को यह भी तय करना है कि संसद सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद प्रदेश में विधायक की तरह काम करने के लिए तैयार हो जाने वाले नेताओं को भी क्या राजस्थान में बनने वाले नए मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है और अगर उन्हें शामिल किया जाता है तो उनकी भूमिका यानी उनका पोर्टफोलियो क्या हो।

सांसदों का लगातार निलंबन लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये बहुत बुरा संकेत है : पायलट

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि संसद में सुरक्षा चूक पर स्पष्टीकरण मांगने वाले सांसदों का लगातार निलंबन लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये बहुत बुरा संकेत है। पायलट ने कहा कि सांसद इस संवेदनशील मुद्दे पर स्पष्टीकरण चाहते हैं और वास्तविकता की गहराई में जाना उनका अधिकार भी है। पायलट ने टोंक में संवाददाताओं से कहा, यह एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है और इस मुद्दे पर विपक्ष सरकार से स्पष्टीकरण चाहता है। यह अधिकार सभी सांसद साथियों का है कि वो हकीकत तक पहुंचे।

उन्होंने कहा, सांसदों के जवाब मांगने पर उन्हें निलंबित करने का जो क्रम चला हुआ है यह लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये बहुत बुरा संकेत है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, आज भी दो सांसदों को निलंबित किया गया है। 150 सांसदों को अगर लोकसभा और राज्यसभा से निलंबित कर देंगे तो क्या संकेत देना चाह रहे हैं?

कांग्रेस नेता ने कहा मैं समझता हूं कि केन्द्र सरकार का इस प्रकार का रवैया और आचरण बहुत नकारात्मक है और उसी के विरोध में बुधवार को जब हम सब लोग विधानसभा में शपथ ले रहे थे तो कांग्रेस पार्टी के सभी सदस्यों ने एक सांकेतिक विरोध के तहत अपने हाथ में काली पट्टी बांधी थी।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से सभी वंचित पात्र लाभार्थियों तक पहुंचे योजनाओं का लाभ : अभय कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा की पूर्ण सफलता के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से जमीनी स्तर तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना सुनिश्चित करें।

अभय कुमार गुरुवार को शासन सचिवालय स्थित समिति कक्ष प्रथम में अधिकारियों के साथ बैठक में विकसित भारत संकल्प यात्रा के समुचित क्रियान्वयन से संबंधित बिन्दुओं की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में यात्रा में शामिल विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से आयुष्मान भारत कार्ड की ई-केवाईसी के सम्बन्ध में चर्चा कर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रदेश में राजस्व रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण की प्रगति पर भी मंथन किया गया। साथ ही जीवन ज्योति योजना, सुरक्षा बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड एवं पेंशन आदि योजनाओं के सम्बन्ध में बैंकर्स समिति के प्रतिनिधियों से चर्चा की गई। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने पोर्टल अपडेशन से संबंधित तकनीकी बिन्दुओं के बारे में भी जानकारी लेकर उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों एवं विभागों को दिशा-निर्देश दिए। बैठक में शासन सचिव पंचायतीराज रवि जैन, स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती शुचि त्यागी सहित कृषि, राजस्व, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार एवं अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौत, दो अन्य घायल

जयपुर। राजस्थान के अलवर जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक तेज रफ्तार कार ने दो बाइक को टक्कर मार दी जिससे एक बाइक पर सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई जबकि दूसरी बाइक पर सवार दो अन्य लोग घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। थानाधिकारी रामजीलाल ने बताया कि ढिगावड़ा मोड़ पर एक तेज रफ्तार कार ने दो बाइक को टक्कर मार दी जिससे एक बाइक पर सवार देवीसहाय (52) और उनके पुत्र सुभाष (24) की मौत हो गई जबकि दूसरी बाइक पर सवार दो अन्य लोग घायल हो गये।

उन्होंने बताया कि दोनों घायलों को अलवर से जयपुर रेफर किया गया है। रामजीलाल ने बताया कि कार चालक हादसे के बाद घटनास्थल से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिये गये। इस संबंध में कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

सी.पी.जोशी ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से संसदीय क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में रेलवे एवं संचार को लेकर की चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी.जोशी ने आज केन्द्रीय रेल, संचार, सुचना प्रोद्योगिकी एवं इलेक्ट्रोनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव से भेंट की एवं संसदीय क्षेत्र चित्तौड़गढ़ से जुड़े विभिन्न विषयों को लेकर चर्चा की।

प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने वैष्णव को संसदीय क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में रेलवे की वर्षों की ऐतिहासिक सौगात मारवाड़-मेवाड़-मालवा के रेलवे के संगम के सपनें को मोदी सरकार में साकार होने पर आभार व्यक्त करते हुये बताया की इस मावली-बड़ीसादड़ी आमान परिवर्तन कार्य पूर्ण हो गया, बड़ीसादड़ी से नीमच वाया छोटीसादड़ी के नवीन रेलमार्ग का कार्य प्रारंभ हो गया हैं, इसके साथ ही मावली से मारवाड़ का आमान परिवर्तन का कार्य भी प्रारंभ हो चुका हैं जिसमें प्रथम फेज में मावली से देवगढ़ तक के आमान परिवर्तन का कार्य प्रगति पर हैं।प्रतापगढ़ जिले के लिये भी रेलवे के लिये अतिंम स्थान

सर्वेक्षण के लिये मंदसौर- प्रतापगढ़- बांसवाड़ा मार्ग 120 किमी के लिये 3 करोड़ रु. के बजट जारी करने पर आभार व्यक्त किया, इससे यहाँ पर रेल के कार्य को गति मिलेगी। एवं संचार के विभागों में विगत वर्षों में दी गयी ऐतिहासिक सौगातों जिसमें नई रेलवे लाईन, आमान परिवर्तन, दोहरीकरण, विद्युतिकरण, नयी रेलगाड़ीयां, नये ठहराव, रेलवे स्टेशनों का विकास, यात्री सुविधाओं में वृद्धि के साथ साथ वन्दे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों की सौगात प्रदान करने व संचार के क्षेत्र में डाक टिकिटों को जारी करने, मोबाईल टॉवरों को स्थापित करने, डाक भवनों के निर्माण एवं आधुनिकिकरण आदी के संबध में आभार व्यक्त किया।

इसके साथ ही संसदीय क्षेत्र में वर्तमान में चल रही रेलवे विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति के बारे में चर्चा की जिसमें नीमच से बड़ीसादड़ी नवीन रेलवे लाईन के वर्तमान में चल रहे कार्य की प्रगति, मावली-मारवाड़ के मावली से देवगढ़ खण्ड की वर्तमान कार्य की प्रगति तथा अजमेर से चित्तौड़गढ़ के लिये दोहरीकरण की योजना के कार्य, एवं संसदीय क्षेत्र के अमृत भारत के स्टेशनों के प्रगति के कार्यां पर चर्चा की। प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने प्रतापगढ़ जिले के लिये रेलवे की आवश्यकता को बताते हुये मन्दसौर से प्रतापगढ़ होते हुये बांसवाड़ा रेलवे की परियोजना को डुंगरपुर तक पीएम गतिशक्ति के तहत जोड़े जाने का आग्रह किया, मन्दसौर-प्रतापगढ़-बासवाड़ा का अभी अंतिम स्थान सर्वे किया जा रहा हैं, चुंकी प्रतापगढ़ एक जनजातिय बाहुल्य का क्षेत्र हैं तथा यहाँ पर रेलवे लाईन के आने से इस क्षेत्र के विकास की भरपुर संभावनाऐं बनेगी, इसी के तहत इस क्षेत्र को रेल लाईन से जोड़े जाने का आग्रह किया।

विधानसभा चुनाव के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए करें लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारी : गुप्ता

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए आगामी लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने राज्य विधानसभा चुनाव-2023 को लेकर सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बुधवार को सचिवालय में वीसी के माध्यम से बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों से विधानसभा चुनाव के अनुभवों को जाना तथा लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। गुप्ता ने मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण, सहायक मतदान केन्द्र, मतदान दिवस से पूर्व एवं मतदान दिवस के दिन मतदाता जागरूकता गतिविधियां, मीडिया एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ प्रबंधन, चुनाव के दौरान किए गए नवाचार, पोस्टल बैलेट्स एवं सुरक्षा प्रबंध को लेकर सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों से अनुभव एवं चुनौतियों को लेकर विस्तार से चर्चा की। लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर गत अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान 17 वर्ष से अधिक उम्र के युवाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए आगामी छह जनवरी से विशेष अभियान चलाया जाएगा।

धनखड़ नकल विवाद :

जाट महासभा ने राहुल गांधी, कल्याण बनर्जी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जाट महासभा के स्वयंसेवकों ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नकल करने और कृत्य की रिकॉर्डिंग करने के लिए क्रमश: तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ बृहस्पतिवार को कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां लहराते और नारे लगाते हुए दोनों सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

जाट महासभा के स्वयंसेवकों ने बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन विरोध प्रदर्शन किया। इसी तरह का विरोध प्रदर्शन उन्होंने बुधवार को कांग्रेस मुख्यालय के पास किया था। जाट महासभा के राष्ट्रीय सचिव अशोक बालियान ने दावा किया कि बृहस्पतिवार को जंतर-मंतर पर 1,000 से अधिक लोग इकट्ठा हुए और उनमें से ज्यादातर पश्चिमी उत्तर प्रदेश से आए हैं।

बालियान ने कहा कि बनर्जी और गांधी को ''संसद से स्थाई रूप से निलंबित'' किया जाना चाहिए।

तृणमूल कांग्रेस के नेता कल्याण बनर्जी ने संसद के दोनों सदनों से विपक्षी सदस्यों के निलंबन के खिलाफ मंगलवार को संसद की सीढ़ियों पर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के दौरान धनखड़ की उपहासपूर्ण तरीके से नकल उतारी थी।

चोरी के लिए घर में घुसे व्यक्ति ने महिला से किया बलात्कार

बलिया (उप्र)/भाषा। बलिया जिले में घर में घुसकर महिला से कथित बलात्कार करने के आरोप में बृहस्पतिवार को एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस उपाधीक्षक वैभव पांडेय ने बताया कि बलिया शहर कोतवाली क्षेत्र के एक मुहल्ले के एक घर में गत आठ दिसंबर की रात अजय राम नामक व्यक्ति चोरी के इरादे से घुसा था, तभी वहां सो रही 30 वर्षीय एक महिला की नींद खुल गई।

उन्होंने बताया कि महिला ने शोर मचाने का प्रयास किया तो अजय ने उसके मुंह में कपड़ा ठूंसकर उसके साथ कथित रूप से बलात्कार किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। पांडेय ने बताया कि पीड़ित महिला की तहरीर पर अजय राम के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उसे आज कलेक्ट्रेट मोड़ से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मायावती की नसीहत:

फिजूल टिप्पणी न करें, भविष्य में ना जाने कब, किसे, किसकी जरूरत पड़ जाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) को लेकर बृहस्पतिवार को पहली बार अपने विकल्प खुले रखने का संकेत देते हुए एक महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने गठबंधन से बाहर रहने वाले दलों के बारे में अनावश्यक टीकाटिप्पणी नहीं करने की सलाह देते हुए कहा कि राजनीति में भविष्य में कब, किसको, किसकी जरूरत पड़ जाए, यह कहा नहीं जा सकता।

मायावती ने यहां एक बयान में किसी का नाम लिए बगैर कहा, विपक्ष के गठबंधन में बसपा सहित अन्य जो भी पार्टियां शामिल नहीं हैं, उनके बारे में किसी का भी फिजूल टीकाटिप्पणी करना उचित नहीं है। मेरी उन्हें सलाह है कि वह इससे बचें, क्योंकि भविष्य में, देश में, जनहित में कब किसको, किसकी जरूरत पड़ जाए, कुछ भी कहा नहीं जा सकता।

बसपा प्रमुख ने कहा, 'टीकाटिप्पणी करने वाले ऐसे लोगों और पार्टियों को बाद में काफी शर्मिंदगी उठानी पड़े यह ठीक नहीं है। इस मामले में समाजवादी पार्टी खासतौर पर इस बात का जीता जागता उदाहरण है। बसपा प्रमुख इसके विस्तार में नहीं गईं। मगर खबरों के मुताबिक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन की पिछली 19 दिसंबर को हुई बैठक में बसपा को इस गठजोड़ में शामिल करने के प्रति अनिच्छा जाहिर की थी। मायावती की अगुवाई वाली बसपा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में शामिल होने से साफ इंकार करते हुए अपने बलबूते अगला लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है।

मायावती ने संसद के मौजूदा सत्र के दौरान दोनों सदनों में बड़ी संख्या में विपक्षी सदस्यों के निलंबन को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा, हमारी पार्टी का मानना है कि संसद के वर्तमान सत्र के दौरान दोनों सदनों के रिकार्ड संख्या में लगभग 150 विपक्षी सांसदों का निलंबन सरकार के साथ ही विपक्ष के लिए भी कोई गुड वर्क या अच्छा कीर्तिमान नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके लिए कुसूरवार चाहे कोई भी हो लेकिन संसदीय इतिहास के लिए यह घटना अति दुखद, दुर्भाग्यपूर्ण और लोगों के विश्वास को आघात पहुंचाने वाली है। बसपा अध्यक्ष ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ का संसद परिसर में निलंबित विपक्षी सांसदों द्वारा मजाक उड़ाने वाला वीडियो बनाने को 'अशोभनीय' करार देते हुए कहा कि सरकार और विपक्ष के बीच जबरदस्त मतभेद, तनाव और टकराव वाली घटनाओं से देश के लोकतंत्र एवं संसदीय परंपराओं को शर्मसार होने से बचाना बहुत जरूरी है।

राजनीति के कारण आयुष्मान योजना लागू नहीं करना चाहती दिल्ली और प. बंगाल सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने आयुष्मान भारत योजना को लेकर दिल्ली और पश्चिम बंगाल सरकार पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि ये सरकारें गरीब-विरोधी एवं असंवेदनशील हैं, जो जनता को इस योजना का लाभ नहीं लेने देना चाहतीं। आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने लोकसभा में मलिन बस्तियों में नागरिक सुविधाओं से संबंधित एक पूरक प्रश्न में आयुष्मान भारत योजना का जिक्र आने पर अपने जवाब में यह टिप्पणी की।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मनोज तिवारी ने दिल्ली और कोलकाता के लोगों को इस योजना से लाभ न मिल पाने का जिक्र किया और सरकार से पूछा कि इस दिशा में सरकार क्या योजना बना रही है। पुरी ने कहा कि इसके लिए मिल-बैठकर राज्य सरकारों से बातचीत की जा सकती है।

हालांकि झारखंड सरकार द्वारा विभिन्न केंद्रीय योजनाओं की राशि व्यय न कर पाने की स्थिति में पिछले दो वित्त वर्ष (2022-23 और 2023-24) में एक भी पैसा नहीं दिए जाने के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, केंद्र सरकार तो केवल प्रावधान कर सकती है और उसके बारे में जानकारी दे सकती है, लेकिन केंद्र सरकार (तब) मजबूर हो जाती है जब राज्य सरकार ठीक तरीके से उस पैसे का इस्तेमाल नहीं करती है। जब तक उपयोगिता प्रमाण-पत्र नहीं मिलेगा, हम और पैसा नहीं दे सकते।

दुबे के यह पूछने पर कि क्या केंद्र सरकार ऐसी सरकारों के खिलाफ कोई योजना बना रही है, पुरी ने कहा, आयुष्मान भारत योजना दिल्ली और कोलकाता में ही क्यों नहीं लागू होती है, मैं समझता हूं कि इसके पीछे का कारण राजनैतिक है और इसमें असंवेदनशीलता है।

वैश्विक मंच पर सम्मान प्राप्त कर रहा है 'नया भारत' : मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संतकबीर नगर (उप्र)/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि विगत साढ़े नौ वर्षों में पूरे देश ने एक 'नए भारत' का दर्शन किया है जो वैश्विक मंच पर सम्मान प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज के भारत के पास राष्ट्रीय सुरक्षा की गारंटी होने के साथ ही विश्व स्तरीय आधारभूत ढांचा (वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर) है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को दुनिया की एक बड़ी ताकत के रूप में स्थापित करने के साथ एक विकसित भारत के निर्माण के लिए सभी को जोड़ने का एक अभियान है।

एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि ''विकसित भारत संकल्प यात्रा 15 नवंबर से पूरे देश में एक साथ प्रारम्भ हुई थी। वहीं उत्तर प्रदेश में इस यात्रा की शुरुआत लखीमपुर खीरी और सोनभद्र जनपद से हुई थी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यात्रा के अंतर्गत 536 मोदी गारंटी वीडियो वैन चल रही हैं, जो उत्तर प्रदेश में अब तक 1072 कार्यक्रम कर चुकी हैं। उन्होंने कहा, भारत की आजादी के अग्रदूत और जनजातीय समुदाय से संबंध रखने वाले बिरसा मुंडा जी की जयंती से शुरू हुई यह यात्रा 26 जनवरी 2024 तक पूरे देश के अंदर चलेगी।

नीतीश बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा से मिले, महाबोधि मंदिर में की पूजा अर्चना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गया/पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को बोधगया पहुंचकर तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से मुलाकात की और महाबोधि मंदिर में पूजा अर्चना की।

गया के अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सड़क मार्ग के जरिए बोधगया स्थित तिब्बती मठ पहुंचे और दलाई लामा को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर उनका स्वागत किया और उन्हें नमन कर उनका आशीर्वाद लिया।

दलाई लामा ने मुख्यमंत्री को दीर्घायु एवं स्वस्थ रहने का आशीर्वाद दिया और मुख्यमंत्री ने भी दलाई लामा के स्वस्थ और सुदीर्घ जीवन की कामना की।

दलाई लामा से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने उनको वैशाली में बनने वाले बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया।

ओडिशा की शराब कंपनी में हालिया तलाशी अभियान में 351 करोड़ रुपए से अधिक नकदी जब्त की गई : सीबीडीटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने हाल में ओडिशा की एक शराब कंपनी में तलाशी अभियान के बाद 351 करोड़ रुपए से अधिक की बेहिसाबी नकदी और 2.80 करोड़ रुपए मूल्य के आभूषण जब्त किए। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

बोर्ड ने किसी का नाम लिए बिना एक बयान में कहा कि समूह का व्यवसाय झारखंड के रांची स्थित एक परिवार द्वारा नियंत्रित किया जाता है और परिवार का एक सदस्य ''राजनीति से जुड़ा एक व्यक्ति'' है।

आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की कि यह कार्रवाई कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू के परिवार से जुड़े बौध डिस्टिलरी समूह के खिलाफ ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल में 30 से अधिक परिसरों में छह दिसंबर को शुरू किए गए तलाशी अभियान से जुड़ी थी।

सीबीडीटी ने कहा, जब्त किए गए सबूतों के प्रारंभिक विश्लेषण से देसी शराब की बिना हिसाब की बिक्री के रिकॉर्ड, अघोषित नकदी प्राप्तियों के विवरण और बेहिसाबी नकदी के लेन-देन के संदर्भों का पता चलता है।

इसने कहा, तलाशी अभियान के दौरान सामने आए तथ्यों से संकेत मिलता है कि समूह शराब कारोबार से अर्जित आय को बड़े पैमाने पर छिपाने में लगा हुआ है।

सिलक्यारा अभियान में अहम भूमिका निभाने वाले

'रैट माइनर्स' को धामी ने सौंपे 50-50 हजार रुपए के चेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी जिले की सिलक्यारा सुरंग में चलाए गए बचाव अभियान में खुदाई में अहम भूमिका निभाने वाले 12 'रैट होल माइनर्स' को 50-50 हजार रुपए की सम्मान राशि के चेक बृहस्पतिवार को प्रदान किए। 'रैट होल माइनर्स' को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना कठिन परिस्थितियों में सुरंग में खुदाई, सफाई और पाइप को काटने का कार्य किया।

सिलक्यारा बचाव अभियान को सफलता तक पहुंचाने में 'रैट माइनर्स' की भूमिका को बहुत अहम बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस लगन और परिश्रम से उन्होंने अन्य एजेंसियों के साथ योगदान दिया, उसके लिए वे बधाई और आशीर्वाद के पात्र हैं। उन्होंने प्रदेश की जनता की ओर से 'रैट होल माइनर्स' का आभार व्यक्त किया। मौके पर मौजूद 'रैट होल माइनर्स' ने कहा कि सुरंग में फंसे 41 लोगों की जान बचाने के लिए विभिन्न एजेंसियों के साथ उन्हें भी अपना योगदान देने का अवसर मिला, यह उनके लिए गर्व की बात है।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी तथा उत्तरकाशी के जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला भी मौजूद थे।

जिन पर सांसदों को संरक्षण देने का जिम्मा है, वो अपने संवैधानिक दायित्व नहीं निभा रहे: खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की नकल उतारे जाने के विवाद तथा विपक्षी सांसदों के निलंबन का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि संवैधानिक पदों पर बैठे जिन लोगों पर सांसदों के संरक्षण की जिम्मेदारी है, वो दलगत राजनीति का हिस्सा बनकर तथा जाति, क्षेत्र और व्यवसाय को ढाल बनाकर राजनीति कर रहे हैं और दायित्वों को पूरा करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति की यहां बैठक में अपने शुरुआती संबोधन में यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर ठोस रणनीति बनानी होगी तथा समान विचारधारा वाले दलों के साथ मिलकर ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतनी होंगी। खरगे ने कि कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ताओं की यह मांग है कि राहुल गांधी पूर्व से पश्चिम की ओर दूसरे चरण की 'भारत जोड़ो यात्रा' निकालें।

खरगे ने कहा, 18वीं लोकसभा के चुनाव आसन्न हैं। इसी संबंध में 19 दिसंबर 2023 को 'इंडिया' गठबंधन की चौथी बैठक दिल्ली में हुई। हम कई दिशाओं में आगे बढ़े हैं। हमें समान विचारों वाले साथियों के साथ समन्वय बनाते हुए ज़्यादा से ज़्यादा सीट पर जीत हासिल करनी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पांच सदस्यीय राष्ट्रीय गठबंधन समिति गठित की है, जो अन्य दलों के साथ गठबंधन की रूपरेखा तय करेगी। उन्होंने कहा, पिछले कई महीनों से पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता एक स्वर में लगातार एक मांग मेरे सामने रखते रहे हैं कि राहुल गांधी जी से पूर्व से पश्चिम की ओर 'भारत जोड़ो यात्रा' निकालें। मैं कार्यसमिति में राहुल जी के समक्ष यह बात रखता हूं और निर्णय आप सभी पर छोड़ता हूं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनज़र लगभग 24 राज्यों के साथ समीक्षा बैठक हो चुकी है। हम लोकसभा सीटों पर जल्द ही समन्वयक भी नियुक्त करेंगे। कांग्रेस के 138वें स्थापना दिवस पर 28 दिसंबर को नागपुर में हम विशाल रैली करने जा रहे हैं। वहां से एक नया संदेश जाएगा, रैली ऐतिहासिक होगी, मैं ऐसी कामना करता हूं।

उपराष्ट्रपति की 'मिमिक्री' पर विवादों में घिरे सांसद कल्याण बनर्जी, पहले भी दे चुके हैं कई विवादित बयान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नकल (मिमिक्री) करने को लेकर विवादों में घिरे टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी का विवादों से नाता नया नहीं है। बनर्जी का राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर निशाना साधने के लिए विवादास्पद टिप्पणियां करने का पुराना इतिहास रहा है।

राजनीतिक विवाद की शुरुआत तब हुई जब बनर्जी ने विपक्षी दलों के विरोध के दौरान संसद की सीढ़ियों पर मंगलवार को धनखड़ की 'मिमिक्री' की और सांसदों के निलंबन की निंदा की।

सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बनर्जी के इस कृत्य और राहुल गांधी की ओर से इसकी वीडियो रिकॉर्डिंग किए जाने की कड़ी आलोचना की है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा धनखड़ की नकल करने को लेकर विवाद बुधवार को केंद्र में रहा, जिसकी गूंज संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह सुनाई दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस घटना पर क्षोभ व्यक्त किया।

संसद के उच्च सदन राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने सदन में कहा कि वह संसद या उपराष्ट्रपति के संवैधानिक पद का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसके जवाब में बनर्जी ने स्पष्ट किया कि मंगलवार को संसद परिसर में अपने कृत्य से उनका किसी को नुकसान पहुंचाने का इरादा नहीं था।

वकील से नेता बने 66 वर्षीय कल्याण बनर्जी पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पश्चिम बंगाल के तत्कालीन राज्यपाल जगदीप धनखड़ (अब उपउपराष्ट्रपति) के खिलाफ टिप्पणी करते रहे हैं। बनर्जी के इस पुराने रिकॉर्ड के कारण राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों ने उन्हें 'लूज कैनन' उपनाम दिया है। 'लूज कैनन' से आशय एक ऐसे व्यक्ति से है जिसका खुद के व्यवहार पर नियंत्रण नहीं रहता और वह अपने कृत्य से दूसरों के लिए मुश्किलें खड़ी कर देता है।

छात्र राजनीति में सक्रिय रहे बनर्जी ने विधि में स्नातक किया है और वह ममता बनर्जी के कट्टर समर्थक रहे हैं। वह पहली बार 2001 में पश्चिम बंगाल विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। पश्चिम बंगाल में श्रीरामपुर लोकसभा सीट से तीन बार संसद चुने गए बनर्जी पहली बार 2009 में तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की आलोचना को लेकर विवादों के केंद्र में आए। बनर्जी ने शहर के सांस्कृतिक केंद्र,नंदन में बिताए गए समय को लेकर भट्टाचार्य की आलोचना की थी।

वर्ष 2012 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार से टीएमसी के समर्थन वापस लेने के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति के मुद्दे पर बनर्जी और तत्कालीन केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा के बीच जुबानी जंग छिड़ गई थी। चार साल बाद कोलकाता में भारतीय रिजर्व बैंक कार्यालय के बाहर नोटबंदी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बीच बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कुछ विवादास्पद टिप्पणियां की जिनकी व्यापक निंदा की गई।

भाजपा को जम्मू-कश्मीर में 50 से अधिक सीटें जीतने की उम्मीद, चुनाव पूर्व गठबंधन नहीं करेगी : अशोक कौल

श्रीनगर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अशोक कौल ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव पूर्व गठबंधन नहीं करेगी, क्योंकि पार्टी को 50 से अधिक सीटें जीतने और अपने दम पर सरकार बनाने का भरोसा है। जम्मू-कश्मीर में भाजपा के संगठन महासचिव कौल ने यहां संवाददाताओं से कहा, चुनाव के बाद यदि गठबंधन की जरूरत पड़ी, तो गठबंधन होगा। कश्मीर में भाजपा को जो समर्थन मिल रहा है कि उसे देखकर हमें विश्वास है कि हम 50 से अधिक सीटें हासिल करेंगे। यह पूछे जाने पर कि जम्मू-कश्मीर में कुछ राजनीतिक दल दावा कर रहे हैं कि भाजपा केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव का सामना करने से डरती है तब कौल ने कहा कि उनकी पार्टी चुनाव के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, यह ऐसा नहीं है। उच्चतम न्यायालय (एससी) ने चुनावों के बारे में कहा है और इसलिए, मैं पार्टियों से कहना चाहता हूं कि वे तैयारी शुरू कर दें क्योंकि विधानसभा चुनाव सितंबर (अगले साल) से पहले होने हैं। भाजपा चुनाव के लिए तैयार है।

वर्ष का गोलकीपर पुरस्कार का मतलब मैं सही दिशा में आगे बढ़ रही हूं: सविता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने गुरुवार को कहा कि लगातार तीसरी बार अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुने जाने का मतलब है कि वह सही दिशा में आगे बढ़ रही है। सविता को मंगलवार को लगातार तीसरी बार इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना गया।

हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सविता ने कहा, यह पुरस्कार मेरे लिए सकारात्मक ऊर्जा का काम करेगा। इससे यह पुष्टि हो गई है कि मैं सही दिशा में आगे बढ़ रही हूं। उन्होंने कहा, टीम ने इस साल अच्छी फार्म बरकरार रखी है। अब हम 2024 की तरफ बढ़ रहे हैं और मेरा लक्ष्य अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखकर टीम को अगले महीने रांची में होने वाले हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर्स के जरिए ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का सर्वश्रेष्ठ मौका देना है। सविता ने अपनी सफलता का श्रेय पूरी टीम को दिया। उन्होंने कहा, मैं यह पुरस्कार पाकर अभिभूत हूं। इस यात्रा में मैं अकेली नहीं हूं। इसमें पूरी टीम का योगदान है और इसलिए यह पुरस्कार मैं अपनी टीम को समर्पित करती हूं।

सुविचार

जीवन में कुछ भी पाने का कोई शॉर्टकट तरीका नहीं है, मंजिल केवल मेहनत से मिलती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सावधानी से निर्णायक विजय

हाल में देश के कुछ भागों में कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर सबको सावधानी बरतने की जरूरत है। केरल, महाराष्ट्र, झारखंड और कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों में दैनिक पॉजिटिव दर में बढ़ोतरी के बाद संबंधित जिलों के प्रशासन को चाहिए कि जनता को जागरूक करें, संक्रमण की रोकथाम के लिए एहतियात बरतें। कर्नाटक सरकार ने तो पड़ोसी राज्य केरल में कोरोना वायरस के उप-स्वरूप जेएन.1 के मामले का पता लगने के बाद दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। उसने केरल और तमिलनाडु की सीमा से लगे जिलों में अधिकारियों को सतर्क रहने और पर्याप्त परीक्षण और कोविड मामलों की समय पर रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए सर्कुलर भी जारी किया है। कर्नाटक में कोविड-19 संबंधी दिशा-निर्देशों में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों, अन्य बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों, गर्भवती महिलाओं और शिशुओं को स्तनपान कराने वाली माताओं को घर से बाहर निकलने पर फेस मास्क पहनने की सलाह और इन्हें बंद स्थानों, कम हवा वाले स्थानों और भीड़ वाले इलाकों में जाने से बचने के लिए कहना उचित ही है। बेशक टीकाकरण से देशवासियों में कोविड-19 के संबंध में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो गई है। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि इस संक्रमण की वैसी लहर आने की आशंका नहीं है, जैसी पूर्व में आई थी, लेकिन यह ध्यान में रखना जरूरी है कि अभी संक्रमण फैल रहा है। कुछ लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। उन्हें स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हो रही हैं। अगर महामारी पर विजय पाने के इतने प्रयासों के बाद एक भी व्यक्ति की जान जाती है, तो यह दुःखद है। यह कहकर संतोष नहीं किया जा सकता कि आज इस वायरस की वजह से जान गंवाने वाले लोगों का आंकड़ा बहुत ही कम है। हर व्यक्ति अपने परिवार के लिए महत्त्वपूर्ण होता है। इसलिए अगर आज कुछ लोग संक्रमित हो रहे हैं, तो सबको उन सावधानियों पर अमल करना चाहिए, जिससे हम संक्रमण को आगे बढ़ने से रोकें।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों की तैयारियों का जायजा लेने के साथ ही कोविड के नए स्वरूप को लेकर सतर्कता बरतने की अपील की है। हालांकि मंत्री ने यह भी कहा कि 'सतर्क रहने की जरूरत है, घबराने की जरूरत नहीं है।' चूंकि देशवासी कोरोनारोधी टीके से 'सुरक्षा कवच' हासिल कर चुके हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि कोई कवच उसी सूरत में कारगर होता है, जब उसे धारण करने वाला योद्धा सावधानी बरते। युद्ध कला के नियमों की अनदेखी करना मुसीबत लाता है, तब मजबूत से मजबूत कवच भी पूरा फायदा नहीं देता। कमोबेश यही नियम कोविड-19 संक्रमण से लड़ाई पर लागू होता है। टीकाकरण एक कवच है, लेकिन हमें स्वच्छता संबंधी सावधानी बरतनी होगी। अगर प्रशासन किसी खास आयुवर्ग या रोग स्थिति वाले लोगों को मास्क पहनने के लिए कहे तो उन्हें यह पहनना चाहिए। जितना संभव हो, भीड़ वाली जगहों पर जाने से परहेज करना बेहतर है। चूंकि क्रिसमस से लेकर नए साल तक पर्यटक स्थलों पर भीड़ उमड़ेगी। अभी बसें, ट्रेनें, हवाई जहाज यात्रियों से भरे हुए हैं। लोग इस समयावधि को हंसी-खुशी से बिताना चाहते हैं, ताकि नई ऊर्जा के साथ नए साल का स्वागत करें। जिन लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्या, विशेष रूप से श्वसन तंत्र की समस्या है तो वे खास सावधानी बरतें। अगर वे भीड़ वाली जगह पर न जाएं तो बेहतर है। चिकित्सक की सलाह लेकर कोरोना जांच करवा लेने से खुद के अलावा अन्य लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा कर सकते हैं। अगर संक्रमण पाया जाए तो घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हाल में संक्रमण के जितने मामले सामने आए, उनमें से 92.8 प्रतिशत होम क्वारंटाइन हैं। यह हल्की बीमारी का संकेत है। वहीं, कोरोना की वजह से अस्पताल में भर्ती होने की दर में बढ़ोतरी नहीं देखी गई है। आज हमारे पास इस बीमारी से लड़ने के लिए काफी अनुभव और संसाधन हैं। सावधानी बरतेंगे तो इस पर शीघ्र ही निर्णायक विजय मिल जाएगी।

ट्वीटर टॉक

दुनिया की नजरे देश के यंग माइंड्स पर टिकी हैं। उन्हें पूरा भरोसा है कि भारत है कि भारत में उन्हें ग्लोबल चैलेंजिंग का लो कॉस्ट, क्वालिटी, सस्टेनेबल, स्केलेबल सॉल्यूशन मिलेगा। स्मार्ट इंडिया हैकथान से देश की युवा शक्ति विकसित भारत का अमृत निकाल रही है।

-सीपी जोशी

राजस्थान विधानसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह हमारा सौभाग्य है कि आप जैसे अनुभवी, ईमानदार और कर्मठ सदस्य को इस सदन के सर्वोच्च पद पर आसीन होने का अवसर मिला है।

-वसुंधरा राजे

वरिष्ठ नेता श्री वासुदेव देवनानी जी को सर्वसम्मति से राजस्थान विधान सभा का अध्यक्ष निर्वाचित होने पर हार्दिक शुभकामनाएं। पक्षविपक्ष को साथ लाकर आप राजस्थान को प्रगति की नई राह पर ले जाने में सदन की सकारात्मक और सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करेंगे।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

इच्छाशक्ति से सफलता

एक बालक पोलियो का शिकार हो गया। डॉक्टरों ने उसके माता-पिता को बताया कि उसका इलाज दवाओं से नहीं, बल्कि उसकी अपनी इच्छाओं से हो सकेगा। बालक को धीरे-धीरे खुद भी इसका अहसास हुआ। वह दूसरे बच्चों को जब मैदान में भागते देखता, तो खुद भी दौड़ने की कोशिश करता। माता-पिता रोज उसे पार्क ले जाते। कुछ दिन बाद वह सचमुच दूसरे बच्चों की तरह दौड़ने-कूदने लगा। इसी बालक ने 16 जुलाई, 1900 को ओलंपिक में ऊंची कूद, लंबी कूद और तीहरी कूद-तीनों प्रतिस्पर्द्धाओं में स्वर्णपदक प्राप्त किए। प्रबल इच्छाशक्ति की मिसाल कायम करने वाले वह धावक, अमेरिका के 'रे एवरी' थे। उनका जीवन प्रेरणा देता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर मनुष्य अपनी शारीरिक बाधाओं पर विजय प्राप्त कर लेता है।

सामयिक

भगवत गीता केवल ग्रंथ या शास्त्र ही नहीं, बल्कि जीवन दर्शन

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

श्रीमद भगवद गीता या गीता, कुरुक्षेत्र में महाभारत युद्ध की शुरुआत से पहले भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के बीच होने वाला संवाद है। मान्यता के अनुसार, जिस दिन श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था, उस दिन को ही गीता की जन्मतिथि मानते हुए गीता जयंती मनाई जाती है। प्रत्येक वर्ष मार्गशीर्ष महीने की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को गीता जयंती का पर्व मनाया जाता है। गीता कई सदियों पुराना ग्रंथ है, इसके हर शब्द में निहित तर्क, ज्ञान, जीवनदृष्टि एवं संसार को देखने एवं जीने का सार्थक नजरिया इसे एक कालातीत, सार्वभौमिक एवं सार्वकालिक मार्गदर्शक बनाता है। भगवद गीता के चिरस्थायी मार्गदर्शक सिद्धांतों को समझने से हमें रोजमर्रा की जिंदगी में कैसे और क्यों की गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। यह एक अलौकिक, अद्भुत एवं कालजयी रचना है, जो हमें हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपरा से परिचित कराती है। इसके श्लोकों में हमें रोजमर्रा की जिंदगी की विभिन्न समस्याओं का समाधान खोजने, जीवन की सच्चाई से परिचित होने और अंधविश्वास एवं झूठी मान्यताओं से मुक्ति पाने में मदद मिल सकती है। गीता का ज्ञान हमारे संदेहों एवं शंकाओं को दूर करता है और हमारे आत्मविश्वास का निर्माण करता है। सारांश रूप में देखा जाए तो गीता में आत्मा की नश्वरता (अमरता) नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः' और कर्म (कर्त्तव्य पालन) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' का उपदेश दिया गया है। गीता सार है कि अपने कर्तव्य से भागना कायरता है, इसकी वजह से घर-परिवार और समाज में अपमानित होना पड़ सकता है।

श्रीमद भगवद गीता एक प्रमुख हिंदू धर्मग्रंथ है जो महाकाव्य महाभारत का एक हिस्सा है। जिसमें दोहे/श्लोक हैं, इसके पाठ को संरचनात्मक रूप से 18 अध्यायों में विभाजित किया गया है। भगवद गीता को एक राजकुमार अर्जुन और भगवान के अवतार श्रीकृष्ण के बीच एक संवाद के रूप में प्रस्तुत किया गया है। महाभारत युद्ध शुरू होने से ठीक पहले का यह संवाद सृष्टि की अनमोल धरोहर है। सुलह के कई प्रयास विफल होने के बाद, युद्ध अपरिहार्य था। आखिररकार युद्ध का दिन आ गया और सेनाएं युद्ध के मैदान में आमने-सामने हुईं। जैसे ही युद्ध शुरू होने वाला था, अर्जुन ने विरोधी ताकतों पर अधिक बारीकी से नजर रखने के लिए अपने सारथि श्रीकृष्ण से रथ को युद्ध के मैदान के बीच में ले जाने के लिए कहा। श्रीकृष्ण ने रथ आगे बढ़ाया और भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य के सामने ले जाकर खड़ा कर दिया। अर्जुन ने जब कौरव सेना में अपने कुटुम्ब के लोग देखे तो वह निराश हो गए थे। अर्जुन ने श्रीकृष्ण से कहा कि मैं युद्ध नहीं चाहता।

मैं संन्यास लेना चाहता हूं। अपने कुटुम्ब के लोगों को मारकर मिलने वाला राज्य मेरे लिए किसी काम का नहीं है। अर्जुन उनसे लड़ने के बारे में नैतिक दुविधा की स्थिति में होकर धनुष छोड़ देते और श्रीकृष्ण से मदद मांगते हैं। श्रीकृष्ण अर्जुन को किंकर्तव्यविमुढ़, मोहग्रस्त एवं सांसारिकता में उलझा हुआ देखकर बोध देते हैं। इन दोनों के बीच जो बातचीत हुई, श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो सलाह, संदेश और उपदेश दिए, उसे अब भगवद गीता के नाम से जाना जाता है। असल में गीता कोरा ग्रंथ नहीं, जीवन-दर्शन है। सदियों पहले दिये गये भगवान श्रीकृष्ण के गीता के उपदेश आज के समय में लोगों के जीवन की घोर निराशा, परेशानियों, सांसारिकता से निकालने का काम करते हैं। गीता को न सिर्फ हिंदू बल्कि दूसरे धर्म से जुड़े लोग भी अपने जीवन में अपनाते हैं।

भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा कि जब-जब धर्म की हानि होती है, दुष्टों की दृष्टि का विस्तार होता है और अधर्म की वृद्धि होती है तब-तब मैं अवतार लेता हूं या प्रतिनिधि के रूप में किसी महापुरुष को भेजता हूं ताकि विश्व के अंदर शांति तथा धर्म का साम्राज्य स्थापित हो सके। गीता को श्रीमद्भगवद्गीता और गीतोपनिषद के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि गीता के उपदेशों का अनुसरण करने से समस्त कठिनाइयों और शंकाओं का निवारण होता है। गीता में श्रीकृष्ण के द्वारा बताए गए उपदेशों पर चलने से व्यक्ति को कठिन से कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास होता है। गीता के उपदेश में जीवन को जीने की कला, प्रबंधन और कर्म सब कुछ है। गीता के उपदेश के जरिए श्रीकृष्ण ने मनुष्य को अच्छे-बुरे और सही-गलत का फर्क बताया है। इस दिन गीता का पाठ करने से, उसके उपदेश पढ़ने से व्यक्ति को जीवन उजाला मिलता है, मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके अलावा इस दिन पितरों के नाम से तर्पण करने से आपके पितरों को भी मोक्ष की प्राप्ति होती है। उपवास रखने से व्यक्ति का मन पवित्र होता है और शरीर स्वस्थ होता है। साथ ही व्यक्ति को पापों से छुटकारा मिलता है एवं जीवन में सुख शांति का अनुभव होता है।

गीता के पहले अध्याय में अर्जुन के प्रश्नों की बौछार के आगे श्रीकृष्ण मौन थे। अर्जुन श्रीकृष्ण से लगातार प्रश्न कर रहे थे। युद्ध न करने के निर्णय को सही बताते हुए अपने तर्क दे रहे थे। लेकिन, श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कुछ नहीं कहा। श्रीकृष्ण का मौन देखकर अर्जुन की आंखों से आंसू बहने लगे तब भगवान ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। जब तक व्यक्ति स्वयं को बुद्धिमान मानता है और व्यर्थ तर्क देता है, तब तक भगवान मौन रहते हैं। लेकिन, जब व्यक्ति अहंकार छोड़कर भगवान की शरण में चला जाता है, तब वे भक्त के सभी प्रश्नों के उत्तर देते हैं। जब हम अहंकार छोड़ देते हैं, तब ही भगवान की कृपा मिलती है। अर्जुन की आंखों में जब आंसू आ गए, तब श्रीकृष्ण ने अर्जुन के अज्ञान एवं मोह को दूर करने के लिए उपदेश दिया। गीता में भगवान ने अर्जुन को कर्म और कर्तव्य का महत्व समझाया। श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि उठो और अपना कर्म करो। सभी तरह के मोह का त्याग करो और युद्ध करो। श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं, 'पार्थ! तुम केवल कर्म करो, फल की चिन्ता मत करो।' श्रीकृष्ण का यह संदेश केवल अर्जुन के लिये नहीं, सम्पूर्ण मानव जाति के लिये था। कर्म के प्रति आसक्ति मनुष्य के अन्दर 'मैं' का भाव पैदा करती है। गीता मनुष्य को इस 'मैं' से मुक्त करके निष्काम कर्म का संदेश देती है। भगवान कहते हैं कि अगर कोई निरंतर निराकार की भक्ति कर सकता है, तो वह भी मुझे पा सकता है।

भारतीय संस्कृति में गीता का स्थान सर्वोच्च है। भारतीय साधु-संन्यासियों के अन्तरतम में वीणा की झंकार की तरह गीता के श्लोक झंकृत होते हैं। कथा-प्रवचनों से लेकर घर-घर तक जीवन-सुधार परक उपदेश, नीति-नियमों का जो भी ज्ञान दिया जाता है, उसमें गीता का प्रकाश कहीं न कहीं अवश्य निहित जान पड़ता है। धरती पर शायद ही ऐसा कोई स्थान हो, जो गीता के प्रभाव से मुक्त हो। भारत भूमि तो उसके स्पर्श से धन्य हो गई है। गीता को, धर्म-अध्यात्म समझाने वाला अमोल काव्य कहा जा सकता है। सभी शास्त्रों का सार एक जगह कहीं यदि इकट्ठा मिलता हो, तो वह जगह है-गीता। गीता रूपी ज्ञान-गंगोत्री में स्नान कर अज्ञानी सदज्ञान को प्राप्त करता है। पापी पाप-ताप-संताप से मुक्त होकर संसार सागर को पार कर जाता है।

गीता को माँ भी कहा गया है। यह इसलिए कि जिस प्रकार माँ अपने बच्चों को प्यार-दुलार देती और सुधार करते हुए महानता के शिखर पर आरूढ़ होने का रास्ता दिखाती है, उसी तरह गीता भी अपना गान करने वाले भक्तों को सुशीतल शांति प्रदान करती है। यह मनुष्यों को सदशिक्षा देती और नर से नारायण बनने के राह पर अग्रसर होने एवं मोक्ष प्राप्ति की प्रेरणा प्रदान करती है। गीता का गान करते-करते मनुष्य उस भावलोक में प्रवेश कर जाता है, जहाँ उसे अलौकिक ज्ञान-प्रकाश, अपरिमित आनन्द प्राप्त होता है। वह न कोई शास्त्र है, न ग्रन्थ है। वह तो सबको शीतल छाया देने वाला, ज्ञान का प्रकाश देने वाला, शंकाओं एवं आशंकाओं को दूर करने वाला कल्पवृक्ष है।

ज्ञान विज्ञान

अंतरिक्ष में वैज्ञानिक लगाना चाहते हैं 'छाता'

दुनिया में आज के समय ग्लोबल वॉर्मिंग एक बड़ी समस्या है। धरती का तापमान हर साल बढ़ता जा रहा है। दुनिया भर के वैज्ञानिक इसका हल निकालने की कोशिश में लगे हैं। वैज्ञानिक धरती के लिए एक 'छाता' बनाना चाहते हैं, जो सूर्य की गर्मी को आने से रोके। वैश्विक जलवायु परिवर्तन को रोकने में मदद करने के लिए अंतरिक्ष आधारित सनशेड का अध्ययन और प्रचार करने के लिए एक समूह का गठन किया गया है। इस विचार पर वर्षों से चर्चा की जाती रही है। लेकिन प्लैनेटरी सनशेड फाउंडेशन ऐसे पेपर तैयार करता रहा है, जो इस अवधारणा का समर्थन करते हैं।

फाउंडेशन का मानना है कि सौर विकिरण को मैनेज करना ग्लोबल वॉर्मिंग का सबसे अच्छा समाधान हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के असर को बदलने के तीन तरीके हैं। पहला उत्सर्जन में

कमी, दूसरा कार्बन डाइऑक्साइड हटाना और तीसरा सौर विकिरण को मैनेज करना। दुनिया के औसतन तापमान को वर्तमान औसत से 1.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बढ़ने से रोकने के प्रयासों को लेकर एक समझौता है। लेकिन तापमान जितना घटेगा, जलवायु परिवर्तन का असर उतना ही कम होगा। शोधकर्ताओं का कहना है कि अगले दशक में 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ सकता है।

जलवायु परिवर्तन चरम मौसम घटनाओं के लिए जिम्मेदार है, जिसमें समुद्र के स्तर में बढ़ोतरी, जंगलों की आग और बर्फ का पिघलना शामिल है। मॉर्गन गुडविन प्लैनेटरी सनशेड फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक हैं। अंतरिक्ष में सनशेड बनाने को लेकर उनका मानना है कि वर्तमान में डीकार्बोनाइजेशन रणनीतियां जरूरी हैं। गुडविन का कहना है, 'जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों से बचने के लिए दुनिया को तेजी से जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल बंद करना चाहिए। वायुमंडल से गीगाटन कार्बन हटाना चाहिए और सौर विकिरण को सीमित करना चाहिए।'

चिंतन

प्रभु श्रीराम वनवासियों एवं वंचितों के अधिक करीब थे

प्रहलाद सबनानी

मोबाइल : 9987949940

यह एक एतिहासिक तथ्य है कि प्रभु श्री राम ने लंका पर चढ़ाई करने के उद्देश्य से अपनी सेना वनवासियों एवं वानरों की सहायता से ही बनाई थी। केवट, छबरी, आदि के उद्धार सम्बंधी कहानियां तो हम सब जानते हैं। परंतु, जब वे 14 वर्षों के वनवास पर थे तो इतने लम्बे अर्से तक वनवास करते करते वे स्वयं भी एक तरह से वनवासी बन गए थे। इन 14 वर्षों के दौरान, वनवासियों ने ही प्रभु श्री राम की सेवा सुषुर्शा की थी एवं प्रभु श्री राम भी इनके स्नेह, प्रेम एवं श्रद्धा से बहुत अभिभूत थे। इसी तरह की कई कहानियां इतिहास के गर्भ में छिपी हैं। यह भी एक कटु सत्य है एवं इतिहास इसका गवाह है कि हमारे ऋषि मुनि भी वनवासियों के बीच रहकर ही तपस्या करते रहे हैं। अतः भारत में ऋषि, मुनि, अवतार पुरुष, आदि वनवासियों, जनजातीय समाज के अधिक निकट रहते आए हैं। इस प्रकार, हमारी परम्पराएं, मान्यताएं एवं सोच एक ही है। जनजातीय समाज भी भारत का अभिन्न एवं अति महत्वपूर्ण अंग है।

आज भी भारत में वनवासी मूल रूप में प्रभु श्री राम की प्रतिमूर्ति ही नजर आते हैं। दिल से एकदम सच्चे, धीर गम्भीर, भोले भाले होते हैं। यह प्रभु श्री राम की उन पर कृपा ही है कि वे आज भी सतयुग में कही गई बातों का पालन करते हैं। परंतु, कई बार ईसाई मशीनरियों एवं कुछ विकृत मानसिकता वाले लोगों द्वारा वनवासियों को उनके मूल स्वभाव से भटकाकर लोभी, लालची एवं रावण का वंशज बताया जाता है। रावण स्वयं तो वनवासी कभी रहे ही नहीं थे एवं वे श्री लंका के एक बुद्धिमान राजा थे। इस बात का वर्णन जैन रामायण में भी मिलता है। अब प्रश्न यह उठता है कि जब रावण स्वयं एक ब्राह्मण था तो वह वंचित वर्ग का मसीहा या पूर्वज कैसे हो सकता है? जैन रामायण की तरह गोंडी रामायण भी रावण को पुलत्स वंशी ब्राह्मण मानती है, न कि आदिवासियों का पूर्वज, कुछ गोंड पुजारी रावण को अपना गुरु भाई भी मानते हैं, चूंकि पुलत्स ऋषि ने उनके पूर्वजों को भी दीक्षा दी थी। इस तरह के तथ्य भी इतिहास में मिलते हैं कि रावण अपने समय का एक बहुत बड़ा शिव भक्त एवं प्रकांड विद्वान था। रावण जब मृत्यु शैया पर लेटा था तब प्रभु श्री राम ने अपने छोटे भाई लक्ष्मण से कहा था कि रावण अब मृत्यु के निकट है एवं प्रकांड विद्वान है अतः उनसे उनके इस अंतिम समय में कुछ शिक्षा ले लो। तब लक्ष्मण रावण के सिर की तरफ खड़े होकर शिक्षा लेने पहुंचे थे तो लक्ष्मण को कहा गया था कि शिक्षा लेना है तो रावण के पैरों की तरफ आना होगा। तब लक्ष्मण, रावण के पैरों के पास आकर खड़े हुए तब जाकर रावण ने लक्ष्मण को अपने अंतिम समय में शिक्षा प्रदान की थी। अतः रावण अपने समय का एक प्रकांड पंडित था।

भारतीय संस्कृति पर पूर्व में भी इस प्रकार के हमले किए जाते रहे हैं। भारत में समाज को आपस में बांटने के कुत्सित प्रयास कोई नया नहीं हैं। एक बार तो रामायण एवं महाभारत आदि एतिहासिक ग्रंथों को भी अप्रामाणिक बनाने के कुत्सित प्रयास हो चुके हैं। वर्ष 2007 में तो केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय के मातहत भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण ने एक हलफनामा (शपथ पत्र) दायर किया था, जिसमें कहा गया था कि वाल्मीकीय रामायण और गोस्वामी तुलसीदासजी कृत श्रीरामचरितमानस प्राचीन भारतीय साहित्य के महत्त्वपूर्ण हिस्से हैं, लेकिन इनके पात्रों को एतिहासिक रूप से रिकार्ड नहीं माना जा सकता है, जो कि निर्विवाद रूप से इनके पात्रों का अस्तित्व सिद्ध करता हो या फिर घटनाओं का होना सिद्ध करता हो। ये बातें कितनी दुर्भाग्यपूर्ण हैं। यह कहना कि प्रभु श्री राम और रामायण के पात्र (राम, भरत, लक्ष्मण, हनुमान, विभीषण, सुग्रीव और रावण, आदि) एतिहासिक रूप से प्रामाणिक सिद्ध नहीं होते, एक प्रकार से भारतीय संस्कृति पर कुठाराघात ही था। हालांकि भारतीय जनमानस के आंदोलित होने पर उस समय की भारत सरकार को अपनी गलती का एहसास हुआ था और उसने अपने शपथ पत्र (हलफनामे) को न्यायालय से वापस मांग लिया था। विभिन्न देशों में वहां की स्थानीय भाषाओं में पाए जाने वाले ग्रंथों एवं विदेशों तक में किए गए कई शोध पत्रों के माध्यम से भी यह सिद्ध होता है कि प्रभु श्री राम 14 वर्ष तक वनवासी बनकर ही वनों में निवास किए थे। अतः यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि प्रभु श्रीराम भी अपने वनवास के दौरान वनवासियों के बीच रहते हुए एक तरह से वनवासी ही बन गए थे। साथ ही, वनों में निवासरत समुदायों ने सहज ही उन्हें अपने से जुड़ा

माना और प्रभु श्री राम उनके लिए देव तुल्य होकर उनमें एक तरह से रच बस गए थे। कई वनवासी एवं जनजाति समाजों ने तो अपनी रामायण ही रच डाली है। जिस प्रकार, गोंडी रामायण, जो रामायण को अपने दृष्टिकोण से देखती है, हजारों सालों से गोंडी व पंडवानी वनों में रहने वाले जनजाति समाजों की सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा रही है। गुजरात के आदिवासियों में डांगी रामायण तथा वहां के भीलों में भलोडी रामायण का प्रचलन है। साथ ही, हृदय स्पर्शी लोक गीतों पर आधारित लोक रामायण भी गुजरात में राम कथा की पावन परम्परा को दर्शाती है। इसके साथ ही, विदेशों में भी वहां की भाषाओं में लिखी गई रामायण बहुत प्रसिद्ध है। आज प्रभु श्री राम की कथा भारतीय सीमाओं को लांघकर विश्व पटल पर पहुंच गई है और निरंतर वहां अपनी उपयोगिता, महत्ता और गरिमा की दस्तक देती आ रही है। आज यह कथा विश्व की विभिन्न भाषाओं में स्थान, विचार, काल, परिस्थिति आदि में अंतर होने के बावजूद भी अनेक रूपों में, विधाओं में और प्रकारों में लिखी हुई मिलती है। यथा, थाईलेंड में प्रचलित रामायण का नाम रामकिचेन है। जिसका अर्थ है राम की कीर्ति। कम्बोडिया की रामायण रामकेर नाम से प्रसिद्ध है। लाओस में फालक फालाम और फोमचक्र नाम से दो रामायण प्रचलित हैं। मलेशिया यद्यपि मुस्लिम राष्ट्र है, परंतु वहां भी हिकायत सिरीराम नामक रामायण प्रचलित है, जिसका तात्पर्य है श्री राम की कथा। इंडोनेशिया की रामायण का नाम ककविन रामायण है, जिसके रचनाकार महाकवि ककविन हैं। नेपाल में भानुभक्त रामायण और फिलीपीन में महरादिया लावना नामक रामायण प्रचलित है। इतना ही नहीं, प्रभु श्री राम को मिस्र (संयुक्त अरब गणराज्य) जैसे मुस्लिम राष्ट्र और रूस जैसे कम्युनिस्ट राष्ट्र में भी लोकनायक के रूप में स्वीकार किया गया है। इन सभी रामायण में भी प्रभु श्री राम के वनवास में बिताए गए 14 वर्षों के वनवास का विस्तार से वर्णन किया गया है।

भारतीय साहित्य की विशिष्टताओं और गहनता से प्रभावित होकर तथा भारतीय धर्म की व्यापकता एवं व्यावहारिकता से प्रेरित होकर समय समय पर चीन, जापान आदि एशिया के विभिन्न देशों से ही नहीं, यूरोप में पुर्तगाल, स्पेन, इटली, फ्रान्स, ब्रिटेन आदि देशों से भी अनेक यात्री, धर्म प्रचारक, व्यापारी, साहित्यकार आदि यहां आते रहे हैं। इन लोगों ने भारत की विभिन्न विशिष्टताओं और विशेषताओं के उल्लेख के साथ साथ भारत की बहुप्रचलित श्रीराम कथा के सम्बंध में भी बहुत कुछ लिखा है। यही नहीं, विदेशों से आए कई विद्वानों जहां इस संदर्भ में स्वतंत्र रूप से मौलिक ग्रंथ लिखे हैं, वहीं कई ने इस कथा से सम्बंधित रामचरितमानस आदि विभिन्न ग्रंथों के अनुवाद भी अपनी भाषाओं में किए हैं और कई ने तो इस विषय में शोध ग्रंथ भी तैयार किए हैं। भारत के वनवासियों के तो रोम रोम में प्रभु श्री राम बसे हैं। उन्हें प्रभु श्रीराम से अलग ही नहीं किया जा सकता है। यह सोचना भी हास्यास्पद लगता है। प्रभु श्री राम की जड़ें आदिवासियों में बहुत गहरे तक जुड़ी हैं। अतः यह कहा जा सकता है कि विदेशी मशीनरियों के कुत्सित प्रयासों को विफल करते हुए भारतीय संस्कृति पर हमें गर्व करना होगा। धर्मप्राण भारत सारे विश्व में एक अद्भुत दिव्य देश है। इसकी बराबरी का कोई देश नहीं है क्योंकि भारत में ही प्रभु श्रीराम एवं श्रीकृष्ण ने जन्म लिया। हमारे भारतवर्ष में भगवान स्वयं आए हैं एवं एक बार नहीं अनेक बार आए हैं। हमारे यहां गंगा जैसी पावन नदी है एवं हिमालय जैसा दिव्य पर्वत है। ऐसे भाग्यशाली कहां हैं अन्य देशों के लोग।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

वार्ता

नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे गुरुवार को नई दिल्ली के विजय चौक पर विपक्षी दलों के सांसदों के साथ पत्रकारों से बात करते हुए।

'डीपफेक' लोकतंत्र के लिए नया खतरा, अंकुश लगाने के लिए सेबी जैसी नियामक संस्था की जरूरत : सुशील मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। राज्यसभा में बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य सुशील कुमार मोदी ने 'डीपफेक' और सिंथेटिक वीडियो के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए इसे लोकतंत्र के लिए खतरा करार दिया। शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए उन्होंने इस पर अंकुश लगाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) जैसी नियामक संस्था बनाए जाने की जरूरत पर बल दिया। सुशील मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी 'डीपफेक' के माध्यम से निशाना बनाया गया है। उन्होंने कहा, ''पिछले दिनों हम लोगों ने देखा कि स्वयं प्रधानमंत्री जी को गरबा करते हुए दिखाया गया और समर्थकों को लगा कि वास्तव में प्रधानमंत्री जी ही हैं। लाखों और करोड़ों की संख्या में उस वीडियो को लोगों ने आगे बढ़ा दिया। खुद, प्रधानमंत्री जी को इसका खंडन करना पड़ा कि उन्होंने वर्षों से कभी किसी नृत्य में भाग नहीं लिया।''

भाजपा सदस्य ने कहा कि ऐसे वीडियो के जरिए लोगों को भ्रमित किया जा रहा है और लोगों के आपत्तिजनक वीडियो तक सोशल मीडिया पर डाले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विराट कोहली और शाहरूख खान जैसी चर्चित हस्तियों को विभिन्न उत्पादों का विज्ञापन करते दिखाया जा रहा है जबकि उसमें उनकी कोई भूमिका भी नहीं होती। उन्होंने एक अभिनेत्री की वास्तविक जैसी दिखने वाली 'डीपफेक' वीडियो का उल्लेख किया और कहा कि महिलाएं सबसे ज्यादा इसका शिकार हो रही हैं। उन्होंने कहा, ''डीपफेक वीडियो लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। चुनाव के समय इसके भारी दुरुपयोग की आशंका है।'' सुशील मोदी ने कहा कि सरकार ने पिछले दिनों सोशल मीडिया कंपनियों को बुलाया भी है कि वह 'डीपफेक' फैलाने वालों की पहचान भी कर रही है। उन्होंने इस बारे में जागरूकता फैलाए जाने की जरूरत बताते हुए सरकार से कहा कि सोशल मीडिया के लिए जो स्व नियमन है, इससे काम नहीं चलेगा।

उन्होंने कहा, ''इसलिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर प्रभावी अंकुश के लिए सेबी जैसी नियामक संस्था बनाए जाने की आवश्यकता है।'' 'डीपफेक' कृत्रिम मेधा (एआई) के उपयोग से तैयार किया गया वह अवास्तविक रूप है, जिसका उपयोग ऑडियो और विजुअल सामग्री के माध्यम से लोगों को बहकाने अथवा गुमराह करने के लिये किया जा सकता है।

सेबी की स्थापना प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) में निवेश करने वाले निवेशकों के हितों का संरक्षण, प्रतिभूति बाजार के विकास का उन्नयन तथा उसके विनियमन और उससे संबंधित या उसके आनुषंगिक विषयों का प्रावधान करने के उद्देश्य से किया गया है। भाजपा के अनिल बलूनी ने पर्यटन के विकास के लिए उत्तराखंड के लैंसडॉन के कुछ हिस्सों में छावनी क्षेत्र की अधिसूचना रद्द करने या उसमें ढील देने की मांग की। भाजपा के विजय पाल सिंह तोमर ने किसान क्रेडिट कार्ड की राशि छोटे और सीमांत किसानों के लिए तीन लाख से बढाकर पांच लाख रुपये किये जाने की मांग की। वर्तमान में यह सीमा 3 लाख रुपये है। यूपीपी (एल) के रवंगवरा नारजारी ने भौगोलिक स्थिति को दर्शाने के लिए असम में बोंगाईगांव तेल रिफाइनरी का नाम बदलने की मांग की। बीजू जनता दल की सुलता देव ने निर्भया कोष के बेहतर वितरण की मांग की।

इसी पार्टी के सुजीत कुमार ने हथकरघा उत्पादों को वस्तु एवं सेवा कर के दायरे से बाहर करने की मांग की।

मंदिर में मिथिला से पहुंचाया जाएगा पाग, पान और मखाने का नजरानाः स्वर्ण धनुष-बाण भी होगा अर्पित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में भगवान श्री राम की ससुराल कहे जाने वाले बिहार के मिथिला से पाग, पान और मखाना तथा सोने से बना धनुष-बाण पहुंचाया जाएगा। इन उपहारों की व्यवस्था पटना का प्रसिद्ध महावीर मंदिर करेगा। महावीर मंदिर प्रबंधन समिति के सचिव एवं भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी किशोर कुणाल ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई-भाषा' को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भगवान राम अर्से बाद अपने 'घर' वापस आ रहे हैं। इस शुभ अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिये वह खुद महावीर मंदिर की तरफ से आगामी 15 जनवरी को अयोध्या पहुंचेंगे और भगवान को मिथिला की परम्परा के मुताबिक नजराने के तौर पर पाग (पगड़ी) और पर्याप्त मात्रा में पान तथा मखाना भेंट करेंगे।

उन्होंने बताया कि मान्यता के अनुसार मिथिला में ही भगवान राम द्वारा धनुष तोड़े जाने के बाद उनका विवाह माता सीता से हुआ। इसके मद्देनजर महावीर मंदिर प्रबंधन ने रामलला को सोने से बना धनुष और बाण भी भेंट करने का फैसला किया है जो 15 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर प्रबंधन को सौंपा जाएगा। उन्होंने बताया कि सोने के इस धनुष-बाण का निर्माण तमिलनाडु की एक कंपनी द्वारा किया जा रहा है। शास्त्रों के अनुसार, राम की पत्नी माता सीता मिथिला की थीं। कुणाल ने बताया कि 15 जनवरी से एक महीने तक अयोध्या में महावीर मंदिर द्वारा भक्तों के लिए एक भव्य लंगर भी चलाया जाएगा।

कुणाल ने बताया, ''उद्घाटन समारोह के लिए देशभर से अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए राम रसोई 15 जनवरी से 15 फरवरी तक सुबह नौ बजे से रात नौ बजे तक चलेगी।'' उन्होंने दावा किया कि उच्चतम न्यायालय में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद की सुनवाई के दौरान राम मंदिर के पक्ष में अहम साक्ष्य उपलब्ध कराने में महावीर मंदिर ने अहम भूमिका निभाई। कुणाल ने बताया कि राम मंदिर निर्माण के लिए महावीर मंदिर ने 10 करोड़ रुपये का योगदान देने का ऐलान किया था। उसमें से आठ करोड़ रुपये दिये जा चुके हैं।

तापसी पन्नू की फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' की शूटिंग पूरी

मुंबई/भाषा

तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी अभिनीत फिल्म 'हसीन दिलरुबा' के सीक्वल 'फिर आई हसीन दिलरुबा' की शूटिंग पूरी हो गई है। फिल्म निर्माता ने यह जानकारी दी। इस रोमांटिक थ्रिलर सीरीज का पहला भाग नेटफ्लिक्स पर 2021 में रिलीज हुआ था। 'फिर आई हसीन दिलरुबा' की कहानी कनिका ढिल्लों ने लिखी है और इसका निर्देशन जयप्रद देसाई ने किया है। कलर येलो प्रोडक्शंस और टी-सीरीज द्वारा निर्मित इस फिल्म में सनी कौशल और जिम्मी शेरगिल भी हैं। फिल्म की सह-निर्माता ढिल्लों ने बुधवार को इंस्टाग्राम लिखा, '' शानदार लोगों के साथ इस बेहतरीन फिल्म की शूटिंग पूरी होने का जश्न मनाने का समय आ गया है। मैं एक लेखक और सह-निर्माता के रूप में 'फिर आई हसीन दिलरुबा' को लेकर बेहद भावुक महसूस कर रही हूं। आनंद एल. राय और भूषण कुमार का अच्छे सहयोगी होने के लिए धन्यवाद।'' पन्नू ने ढिल्लों की पोस्ट पर लिखा, ''आइए 2024 के तापमान को और बढ़ाया जाए!''

फिल्म 'मैं अटल हूं' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता। बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी की आने वाली फिल्म मैं अटल हूं का ट्रेलर रिलीज हो गया है। विनोद भानुशाली निर्मित 'मैं अटल हूं' देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के जीवन पर आधारित फिल्म है। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी ने अटल बिहारी बाजपेयी का किरदार निभाया है।इस फिल्म को रवि जाधव ने निर्देशित किया है और इसे रवि ने ही ऋषि विरमानी के साथ मिलकर लिखा है। फिल्म मैं अटल हूं का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे शेयर करते हुए पंकज त्रिपाठी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, जिस नेता को आप जानते हैं, उस आदमी को जिसे आप नहीं जानते। प्रस्तुत है श्री अटल बिहारी वाजपेयी के असाधारण जीवन की एक झलक। फिल्म मैं अटल हूं 19 जनवरी 2024 को रिलीज की जाएगी।

देवानंद को समर्पित है फिल्म दिलों में उफान : अनिश विक्रमादित्य

मुंबई/वार्ता

अभिनेता अनिश विक्रमादित्य का कहना है कि उनकी फिल्म दिलों में उफान देवानंद को समर्पित है। अनीश विक्रमादित्य,नीता मोहिंद्र, काव्या शुक्ला,दीक्षा अस्थाना, आशुतोष सिन्हा, धरम शर्मा और मदन कबीर स्टारर फिल्म दिलों में उफान हंगामा ओटीटी पर रिलीज हो गई है।

यह फिल्म महिलाओं के खिलाफ हो रही हिंसा पर आधारित है और यह समाज को इससे बचने का संदेश देती है। इस फिल्म के लेखक-निर्देशक सुखविंदर सिंह हैं। मेटाफाबेक्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड प्रस्तुत फिल्म दिलों में उफान में मैच बॉक्स के प्रोड्यूसर और अभिनेता अनीश विक्रमादित्य मुख्य भूमिका में हैं। देवाानंद ने अनीश विक्रमादित्य को अपनी फिल्म चार्जशीट के जरिये बॉलीवुड में लांच किया था।अनिश विक्रमादित्य अपनी फिल्म दिलों में उफान को देवानंद के नाम समर्पित कर रहे हैं क्योंकि यह साल देवानंद की 100वां जयंती है।

अनिश विक्रमादित्य ने फिल्म दिलों में उफान को लेकर बताया कि पूर्व नृत्यांगना सन्नो और उसकी मंडली के सदस्य एक छोटे शहर में रहते हैं। सन्नो की विकलांग बेटी, सिम्मी के साथ चौंकाने वाले घटनाए होती है। उसके बाद शुरू होती है न्याय की जद्दोजहद. क्या महिलाएं अपनी शारीरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा कानूनी तंत्र पर भरोसा कर सकती हैं. इस फिल्म के जरिये एक झकझोर देने वाला सवाल खड़ा होता है। निर्माता रचना कुमारी ने कहा कि दिलो मे उफान मजबूत और ज्वलंत मुद्दे पर बनी फिल्म है। मैं उम्मीद करती हूं कि यह फिल्म दर्शकों को बेहद पसंद आएगी। उन्होंने कहा कि यह फिल्म महिला सशक्तिकरण को समर्पित है। मुझे लगता है इस सभी सिने प्रेमियों को इस फिल्म को बहुत पसंद आएगी।

वही, धोनी अनटोल्ड स्टोरी में सुशांत सिंह राजपूत की मा के किरदार में नज़र आई नीता मोहिंद्र ने कहा कि यह फिल्म देश और समाज की सच्चाई है। फिल्म कहानी कई सारे सवाल लेकर आई है। यह फिल्म महिलाओं पर होने वाले अत्याचार की सशक्त अभिव्यक्ति है। इसमें हम सब ने अपना बेस्ट दिया है और अब यह दर्शकों के सामने है। मुझे देश के दर्शकों से पूरी उम्मीद है कि उन्हें हमारी फिल्म पसंद आएगी।

अक्षय कुमार ने वेलकम टू द जंगल का बीटीएस वीडियो शेयर किया

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अपनी आने वाली फिल्म वेलकम टू द जंगल का बीटीएस वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। अक्षय ने सोशल मीडिया पर फिल्म वेलकम टू द जंगलके सेट से एक बीटीएस वीडियो शेयर किया है जिसमें उनके साथ संजय दत्त नजर आ रहे हैं।अक्षय घुड़सवारी करते दिखाई दिए तो वहीं संजय दत्त बाइक से उनका पीछा करते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को शेयर कर अक्षय ने लिखा,क्या कोइंसीडेंट हैं।

आज हम लोग वेलकम रिलीज होने के 16 साल सेलिब्रेट कर रहे और आज ही हम लोग इस फिल्म के तीसरे पार्ट की शूटिंग भी कर रहे हैं।'वेलकम टू द जंगल. ये और भी ज्यादा बेहतरीन हो गया क्योंकि इसमें संजू बाबा भी हैं, आपको क्या लगता है?'

'वेलकम टू द जंगल' मल्टी स्टारर फिल्म है। इसमें अक्षय के अलावा अरशद वारसी, संजय दत्त, श्रेयस तलपड़े, लारा दत्ता, कृष्णा अभिषेक और रवीना टंडन के अलावा कई स्टार्स हैं।वेलकम टू द जंगल' क्रिसमस के मौके पर 20 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बम्बई उच्च न्यायालय ने शर्लिन चोपड़ा को नोटिस किया जारी

मुंबई/वार्ता

बम्बई उच्च न्यायालय ने बॉलीवुड अभिनेत्री राखी सावंत की उस याचिका पर अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा को नोटिस जारी किया है, जिसमें शर्लिन द्वारा उनके खिलाफ मानहानि और शील भंग करने का आरोप लगाते हुए दर्ज की गई प्राथमिकी को रद्द करने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति प्रकाश डी नाइक और न्यायमूर्ति नितिन आर बोरकर की पीठ ने राखी को ट्रायल कोर्ट के सामने पेश होने से भी छूट दे दी। राखी ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि साथी मॉडल ने बदले की भावना से उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

याचिका में कहा गया, शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए झूठे आरोप और अपमानजनक बयान न केवल व्यक्तिगत परेशानी का कारण बनते हैं, बल्कि राखी के एक बार के सफल करियर को भी बर्बाद कर देते हैं। यह स्पष्ट है कि शिकायतकर्ता द्वेष रखता है और उसने बदले की कार्रवाई के रूप में झूठी प्राथमिकी दर्ज की है।

उल्लेखनीय है कि 31 अक्टूबर, 2022 को अंबोली थाना ने राखी के खिलाफ मामला दर्ज किया और आरोप लगाया कि उन्होंने शिकायतकर्ता के कुछ वीडियो दिखाए और अपमानजनक बयान दिए। आगे यह भी आरोप लगाया गया कि मीडिया को दिखाया गया वीडियो यौन रूप से स्पष्ट था जिसके बाद, उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है।

फिल्म 'मैरी क्रिसमस' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ और दक्षिण भारतीय अभिनेता विजय सेतुपति की आने वाली फिल्म 'मैरी क्रिसमस' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी फिल्म मैरी क्रिसमस में कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की मुख्य भूमिका है।मैरी क्रिसमस का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।ट्रेलर की शुरुआत विजय और कैटरीना के साथ ही होती है।दोनों की मुलाकात क्रिसमस के दिन होती है और फिर वो साथ में सेलिब्रेशन करने का फैसला करते हैं। तीन घंटों में ही दोनो एक-दूसरे के साथ सुनहरा वक्त बिता लेते हैं। पर इन तीन घंटों में विजय सेतुपति और कटरीना की जिंदगी किस कदर बदल जाती है और क्या-क्या खौफनाक होता है, वह होश उड़ा देता है। फिल्म 'मैरी क्रिसमस' हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु में भी 12 जनवरी 2024 को रिलीज होगी।

श्रीमद रामायण में 'रावण' का किरदार निभाकर रोमांचित हैं निकितिन धीर

मुंबई/वार्ता

जानेमाने अभिनेता निकितिन धीर सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले सीरियल श्रीमद रामायण में 'रावण' का किरदार निभाकर रोमांचित हैं। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन दर्शकों के लिए लेकर 'श्रीमद रामायण' लेकर आ रहा है, जिसका प्रीमियर 01 जनवरी, 2024 को होगा और यह हर सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा।निकितिन धीर श्रीमद रामायण में 'रावण' का किरदार निभाकर रोमांचित हैं। निकितिन धीर ने कहा,मैं इस अवसर को पाकर बेहद सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं क्योंकि मैंने इस तरह के जीवन से भी बड़े किरदार के लिए वर्षों तक इंतजार किया। ये जीवन में एक बार आने वाल मौका है।मैं थोड़ा घबराया हुआ हूं, लेकिन इससे मुझे बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलती है और यह वह ईंधन है जिसकी मुझे इस बड़ी भूमिका के लिए जरूरत है।'रावण का किरदार निभाना मेरे लिये एक चुनौती और एक उत्साहजनक अवसर दोनों है।

निकितिन धीर ने कहा,रावण का किरदार निभाना मेरे लिए एक रोमांचक यात्रा रही है। चरित्र की जटिलता, उसकी

कहानियां और प्रेरणाएं, मुझे मानवीय भावनाओं की गहराई का पता लगाने की अनुमति देती हैं, और आपके टेलीविजन स्क्रीन पर रावण को जीवंत करने में मुझे अधिक खुशी नहीं हो सकती।एक अभिनेता के तौर पर मैं रावण के व्यक्तित्व में उतरने, रावण द्वारा सामना की गई आंतरिक उथल-पुथल और संघर्षों पर प्रकाश डालने और हर बारीकियों में तीव्रता और प्रामाणिकता डालने के लिए उत्साहित हूं। यह सफर भावनाओं की एक बेमिसाल खोज का वादा करती है, और मैं दर्शकों को इस कालातीत महाकाव्य में प्रकट होने वाली भव्यता और नाटक को देखने के लिए शो के लॉन्च का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

उन्होंने कहा,जब हम रामायण जैसी कहानी सुनाने जाते हैं, तब वो एक जिम्मेदारी बन जाती है. हमारी पूरी टीम को इस बात का एहसास है। यही वजह है कि सीरियल के लेखक और क्रिएटिव टीम हर दिन इस बात का ख्याल रखती है कि ऐसा कुछ न दिखाया जाए, जिससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे. हम पूरे भक्ति भाव से ये कहानी बता रहे हैं।मेरे पापा पंकज धीर मेरे लिए बहुत खुश थे कि मुझे ये ऑफर मिला और मैं ये किरदार निभा रहा हूं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शुक्रवार | 22-12-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

हमें ढूंढना है खुशी का खजाना उसमें सकारात्मक विचार होना चाहिए। हमारी प्रतिक्रिया सकारात्मक होनी चाहिए। बुलेट प्रूफ जैकेट घर में पहनना मूर्खता का कारण माना जाता है। वैसे ही हम हर समय अहंकार का जैकेट पहनकर घूम रहे हैं। वह उतरना होगा नहीं तो हम मूर्ख समझे जाएंगे। जब तक आप दूसरों की निंदा करेंगे दूसरों पर आक्षेप लगाएंगे तब तक हम नकारात्मक रहेंगे। एक आश्रम में दो शिष्य रहते हैं एक को सवाल पूछा दिन के बाद काली रात आती है या काली रात के बाद दिन आता है। हमें भी यह रात के बाद दिन दिखे तो हम सकारात्मक हैं। जैसी सोच वैसे ही आपकी दृष्टि होगी।

अग्रवाल सभा भवन में शुरु हुई सामूहिक श्रीमद्भागवत कथा

कथा के पहले दिन निकली कलश यात्रा, उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय हरियाणा नागरिक संघ द्वारा आयोजित संगीतमय सप्तदिवसीय सामूहिक श्रीमद् भागवत कथा का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। गुरुवार को पहले दिन श्याम मंदिर अन्ना नगर से मध्याह्न तीन बजे भव्य कलश व पोथी यात्रा निकाली गई जिसमे सैकड़ों महिलाए एवं पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। महिलाओं ने सिर पर कलश धारण किया तथा पुरुषों ने शोभायात्रा की शोभा बढ़ाई। युवा वर्ग धार्मिक संगीत की धुनों व गीतों पर नाचते हुए खुशी जाहिर कर रहे थे। शोभायात्रा में वृंदावन धाम से आए कथावाचक प्रियाशरणजी एक अश्वबग्गी पर आसीन थे। मोहनलाल सर्राफ, प्रवीण गर्ग आदि गायकों ने भजनों की प्रस्तुति दे माहौल को भागवतमय बना दिया। शहर के विभिन्न मार्गो से होती हुए कलश व पोथी यात्रा कथा स्थल रामदयाल कलावती खेमका अग्रवाल सभा भवन शांति कॉलोनी अन्ना नगर पहुंची जहां महिलाओं ने कलशों की स्थापना की।

यात्रा में विनोद गर्ग, राजेंद्रकुमार गुप्ता, अरविंदकुमार सिंगला, पीयूष गुप्ता, कृष्णकुमार गोयल, प्रकाश अग्रवाल, अरुणकुमार अग्रवाल, ललितकुमार लोहिया, धर्मवीर शर्मा, शंकरलाल अग्रवाल, हितेशकुमार कनोडिया, कृष्णलाल हिसारिया, विजय पोद्दार, दिनेश गर्ग, चंद्रप्रकाश मोदी सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस सप्तदिवसीय कथा में कथा वाचक श्रीमद भागवत कथा के अनेक प्रसंगों का सार सहित वर्णन करेंगे। 28 दिसंबर को हवन, पूर्णाहुति एवं प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

दादी परिवार तिरुपुर के 'राणीसती दादी के मंगल पाठ' में उमड़ी महिलाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। स्थानीय दादी परिवार द्वारा हर महीने कि भांति इस महीने भी राणी सती दादी के विवाह के उपलक्ष्य में गणेश मन्दिर में मंगलपाठ का आयोजन किया गया जिसमें 130 महिला सदस्याओं ने भाग लिया।

मंगलपाठ के बाद महिलाओं ने दादी के भजनों की प्रस्तुति दी तथा दादी को इक्कतीस चुनड़ी ओढ़ाई। दादी परिवार की अध्यक्ष शीलाशाह, सरोज पत्ती, सुमन गुप्ता, मधु चौधरी, मंजु जैन, सरिता तुलसियान, चंदा डीडवानिया, मीनाक्षी सरावगी, छाया परमानन्दका आदि ने व्यवस्था संभाली। कार्यक्रम के अंत में महाप्रसाद की व्यवस्था की गई थी। शीला शाह ने सभी को धन्यवाद दिया।

तेरापंथ महिलाओं ने 'मां का दिशाबोध-बेटी की उड़ान' विषयक कार्यशाला आयोजित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार कोयंबटूर तेरापंथ महिला मंडल ने 'मां का दिशाबोध-बेटी की उड़ान' विषयक कार्यशाला का आयोजन दो चरणों में तेरापंथ भवन में किया गया। मंगलाचरण मां-बेटी की जोड़ी दीपिका व भावना बोथरा ने किया। अध्यक्ष मंजू सेठिया ने सबका स्वागत करते हुए बताया कि कार्यशाला में मां-बेटी की 15 जोड़ियों ने भाग लिया। रेखा मरोठी ने मां बेटी के रिश्ते पर गीत प्रस्तुत किया। प्रथम चरण में ध्यानार्थ बिंदु:- क्या कहता है मां बेटी का रिश्ता, आज के परिवेश में कैसे बदल रही है रिश्ते की बुनियाद वह भावना, उम्र के पड़ाव के साथ विचारों में परिवर्तन कैसे करें इन बिंदुओं पर

प्रथम चरण में मुख्य वक्ता रुचिका बैद ने मां-बेटी के नाजुक रिश्ते, रिश्ते की भावना व पीढ़ी बदलाव पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मां अपनी बेटी को सिखाएं कि वह सबसे बेहतर है उसके लिए कुछ भी नामुमकिन नहीं है। रिश्ते में गहरापन व पारदर्शिता होनी चाहिए। यह रिश्ता संतुलित दया, देखभाल, प्यार के साथ सम्मानजनक होना चाहिए। विभिन्न प्रतियोगिताओं में अव्वल रही तीन जोड़ियां को पुरस्कृत किया गया। दूसरे चरण में कार्यक्रम को रोचक बनाने हेतु जोड़ियां को सुनीता भट्टर ने सेल्फी खेल खिलाया जिसमें अनामिका घीया, प्रियंका बुरड़ रही। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। सहमंत्री मधु चोरड़िया ने धन्यवाद दिया। रुचिका बैद ने संचालन किया।

व्यवहार में विवेक और सहजता रखना अति जरुरी : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंकापुर। शहर के विमलनाथ जैन संघ में पहुंची साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि हृदय से जो दिया जा सकता है, वो हाथ से नहीं दिया जा सकता और मौन से जो कहा जा सकता है,वो शब्द से नहीं कहा जा सकता। व्यवहार में विवेक और सहजता रखे। शारीरिक स्थिति चाहे कितनी भी अच्छी हो, पर जीवन का सही आनंद लेने के लिए मानसिक स्थिति का अच्छा होना बहुत जरूरी है। पैसा, पद और किसी भी चीज का नशा दिमाग़ पर नहीं चढ़ना चाहिए अन्यथा धरती पर गिरने से कोई नहीं रोक सकता है। साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि दुख और दर्द में कितना अंतर होता है उसी तरह इंसान को समझना और इंसान की पहचान में होता है। आज का इंसान में तीन तरह की खूबी है। एक जो है देकर खुश होता है। दूसरा जो लेकर खुश होता है। तीसरा जो है देखकर सुनकर आग लगाने में खुश होता है। पारस भंसाली ने बताया कि साध्वीवृंद हुबली की ओर विहाररत है।

कोयम्बटूर के उत्तरभारतीय प्रवासी व्यापारियों ने बाढ़ पीड़ितों को भेजी राहत सामग्री

- विधायक वानती श्रीनिवासन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया राहत सामग्री का ट्रक
- जरुरतमंदों के लिए कपड़ों के साथ साथ अनाज भी भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। प्रदेश में असमय आई भारी बारिश के चलते राज्य के 5 जिले बुरी तरह प्रभावित हुए है। इस प्रवाहित जिलों के निवासियों के राहत के लिए कोयम्बटूर के व्यापारियों ने राहत सामग्री एकत्र की। शहर के कपड़ा व्यापारी व समाजसेवी इंदरचंद कोठारी के नेतृत्व में बाढ़ पीड़ितों के लिए कम्बल, बेडशीट,टावेल्स,पुरुष, महिला व बच्चों के लिए पहने योग्य कपड़े आदि का संग्रह किया गया। 2 दिन की कड़ी मेहनत व व्यापारियों के सहयोग से एकत्र सामग्री भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष व विधायक वानती श्रीनिवासन को सौंपी। विधायक ने तुरंत पूरी सामग्री ट्रक में लादकर तूतीकोरिन,तिरुनेलवेली के लिए रवाना की जहां स्वयंसेवक इस राहत सामग्री का वितरण करेंगे। कपड़ों के साथ साथ 1500 किलो चावल भी भेजे गए है।

इस मौके पर वानती श्रीनिवासन ने प्रवासी व्यापारियों के उदारता की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थानी व उत्तरभारतीय समुदाय के व्यापारी हमेशा आपातकालीन परेशानियों में सबसे पहले राहत व सहयोग का हाथ बढ़ाते हैं। इस समुदाय में अपनों के प्रति हमेशा दर्द रहता है और व्यापारी समुदाय हमें स्वेच्छा से आगे आकर सेवा कार्य करता है। वानती श्रीनिवासन से सभी व्यापारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर इंदरचंद कोठारी,भगवान महावीर गौशाला के उपाध्यक्ष बाबूलाल बागरेचा, पूर्व अध्यक्ष कैलाश जैन,संतोष पटवारी, डालूसिंग, राजेंद्र जैन, चिन्मया मिशन के निर्मल जैन सहित अन्य प्रवासी व्यापारी उपस्थित थे।

दादी का वार्षिकोत्सव व भजन संध्या रविवार को

वार्षिकोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय दादी धाम प्रचार समिति के तत्वावधान में दादीजी की विशाल भजन संध्या एवं वार्षिकोत्सव 24 दिसम्बर को आयोजित की जा रही है। रविवार को दोपहर 3 बजे से आरआर नगर स्थित तेरापंथ भवन में भजन कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। समिति के प्रमुख शिवकुमार टेकड़ीवाल ने बताया कि इस भजन संध्या में कोलकाता के जाने माने भजन गायक अरविंद सहल व निकिता शर्मा सहित स्थानीय गायक भजनों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम संयोजक संजय नोपानी व संजय जाजोदिया ने बताया कि इस वार्षिकोत्सव के मौके पर आयोजित भजन संध्या को लेकर दादी भक्तों में विशेष उत्साह छाया हुआ है। सहसंयोजक अनूप अग्रवाल, गोपाल लाठ, सुनील अग्रवाल व संदीप झुनझुनवाला ने बताया कि इस आयोजन में दादी का विशेष श्रृंगार, अखंड ज्योति, चुनड़ी उत्सव, गजरा उत्सव, मेहंदी उत्सव व छप्पन भोग मुख्य आकर्षण के केन्द्र होंगे। कार्यक्रम उत्सव मंत्री सिद्धार्थ नोपानी व रामसुन्दर बगड़िया ने सभी दादी भक्तों को कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है।

'जय श्री राम' के नारों के साथ निकली अयोध्या अक्षत कलश यात्रा

यात्रा में महादेवपुरा विधायक रहीं उपस्थित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अयोध्या में पांच सौ वर्षों की चिरप्रतीक्षा के पश्चात नवनिर्मित श्री राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा में आमजन को आमंत्रित करने हेतु अयोध्या से भेजे गये पूजित अक्षत यानी पीले चावल की राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के तत्वावधान में गुरुवार को बेलन्दूर स्थित वेंकटेश्वर देवस्थान से लेकर श्री कोदण्डराम मंदिर तक भव्य शोभायात्रा के रूप में अक्षत कलश यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में रंगबिरंगे परिधानों में सजी महिलाओं ने अक्षत कलश धारण किए।

वही मारवाड़ी महिलाओं ने मंगलगीत गाते हुए शोभा बढ़ाई तथा पुरुषों ने जय श्रीराम के नारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। यात्रा के कोदण्ड राम मंदिर पहुंचने पर यात्रा धर्म सभा में तब्दील हो गई, वहां सभी ने पूजा-अर्चना की। उपस्थित धर्म प्रेमियों को महादेवपुरा विधायक मंजुला अरविंद लिम्बावली ने एवं अक्षत यात्रा संयोजक आरएसएस के दीक्षित रेड्डी ने संबोधित किया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक मंजुला अरविंद लिम्बावली, मुनिराजु प्रान्त संपर्क प्रमुख, दीक्षित रेड्डी, श्रीनिवास पाई, मंजुनाथ रेड्डी, बाबू रेड्डी, श्रीनिवास ताटपल्ली, भूपेश कश्यप, सुखाराम, भुण्डाराम, प्रकाशसिंह, प्रकाश भायल, अरुण शर्मा, कल्याणराम, बुधाराम राठौड़, गणपतसिंह, राजू पटेल, नेमीचंद पारीक, सहित मारवाड़ी महिला मंडल की सदस्याएं उपस्थित थीं। यात्रा का संचालन संघ के बेलन्दूर कार्यवाह श्रीनिवास पाई ने किया।

देवकीनंदन ठाकुर की श्रीमद् भागवत कथा 3 जनवरी से, तैयारियां जोरों पर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। विश्व शांति सेवा चेरिटेबल ट्रस्ट दिल्ली एवं विश्व शांति सेवा समिति बेंगलूरु के संयुक्त तत्वावधान में लगातार 10 वर्षों से कथावाचक देवकीनंदन ठाकुरजी द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन होते आ रहा है। उसी श्रृंखला में नव वर्ष में 3 जनवरी से 9 जनवरी तक पुन: एक बार शहर के पैलेस ग्राउंड प्रिंस श्राइन सभाभार में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन होने जा रहा है। इस कथा में देवकीनंदन ठाकुरजी अपने मुखारबिंद से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन करते हुए धर्मसंदेश देंगे। इस कथा के आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति की सदस्यों की बैठक चर्चा का दौर चल रहा है। कथा आयोजन से जुड़े कथा के मुख्य यजमान जेके गुप्ता, विश्व शांतिसेवा चेरिटेबल ट्रस्ट बेंगलूरु के महेश कुमावत, संजय चतुर्वेदी, संजय अग्रवाल, रतन पांडे, संतोष महाराज, ओमप्रकाश ठाकुर ने एक तैयारी बैठक में भाग लिया और विभिन्न तैयारियों की समीक्षा की। इस बैठक में सभी सदस्यों ने कथा को सफल बनाने के लिए अपने अपने विचार व्यक्त किए तथा ज्यादा से ज्यादा सदस्यों को कथा से जोड़ने पर जोर दिया गया।

आबुगोड जैन तीर्थ यात्रा संघ 23 को होगा रवाना, यात्रा किट का हुआ वितरण

जीरावला यूथ फाउंडेशन के सदस्यों ने किया सहयोगियों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय जीरावला यूथ फाउंडेशन आबुगोड के तत्वावधान में सम्मेतशिखर सहित अनेकों कल्याणक भूमियों की स्पर्शना हेतु यात्रा संघ का आयोजन किया जा रहा है।

मीडिया प्रभारी संघवी हीराचंद कांकरिया ने बताया कि 23 दिसंबर को आबुगोड जैन संघ के 240 यात्री हवाई यात्रा कर रांची पहुंचेंगे तथा वहां से वातानुकुलित बसों द्वारा श्री सम्मेतशिखर, ऋजुबालिका, कुण्डलपुर, चम्पापुरी, लछवाड, राजग्रही, पावापुरी, क्षत्रियकुन्ड, गुणियाजी, काकंदी एवं वाराणसी आदि कल्याणक भूमियों की तीर्थ वंदना करते हुए नववर्ष में वापस आएंगे। अध्यक्ष यतिन जैन ने बताया कि संघ यात्रा के उपलक्ष्य में संघ द्वारा कोंडितोप स्थित सुंदेशा मुथा भवन में एक विशेष आयोजन किया जिसमें जीरावला यूथ फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा यात्रा संघ के मुख्य सहयोगी मीठालाल जवानमल जगाणी परिवार व अन्य सहयोगियों का सम्मान किया तथा संघ यात्रा के यात्रियों को यात्रा किट वितरण किया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.